बिहार की सियासत : भाजपा तलाश रही ... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

क्या डेट कर रहे हैं तृषा और... 11

वर्ष - 01, अंक - 336 | गाजियाबाद / मंगलवार 10 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

यूएई ने ईरानी विलवणीकरण संयंत्र पर किया हमला

अबू धाबी/तेहरान (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान के एक विलवणीकरण संयंत्र पर हमला किया, जो ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध की शुरूआत के बाद से अमीरात और ईरान के बीच शत्रुता में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत है। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। इसके साथ ही युद्ध में एक और देश शामिल हो गया। ईरानी अधिकारियों और उसके सरकारी मीडिया के अनुसार, केशम द्वीप पर स्थित एक विलवणीकरण संयंत्र पर कथित तौर पर रात भर में हमला किया गया, जिससे आसपास के लगभग 30 गांवों में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कथित हमले में द्वीप पर स्थित ईरान के मीठे पानी के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया था और गंभीर परिणामों की चेतावनी दी।

नस्लीय टिप्पणी के खिलाफ एतराज करने पर पूर्वोत्तर की लड़की के ऊपर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में साकेत कोर्ट के पास रविवार रात पूर्वोत्तर की एक लड़की पर पार्क में नस्लीय टिप्पणी के खिलाफ एतराज करने पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक मणिपुर की रहने वाली पीड़िता अपनी दोस्त के साथ साकेत के एक पार्क में घूम रही थी, तभी कुछ लोगों ने उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। जब लड़कियों में से एक ने कथित तौर पर टिप्पणी पर एतराज किया, तो मामला बिगड़ गया और आरोपियों ने कथित तौर पर उस पर हमला कर दिया। घायल लड़की को सफदरजंग हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और उसे चोटें आई हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस टीमें पीड़िता के संपर्क में हैं और उससे लगातार बात कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जादू-टोना के शक में महिला की हत्या, पति समेत 4 आरोपी काबू

जशपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के सन्ना थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां जादू-टोना के शक में एक महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने मृतिका के पति समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, सन्ना थाना क्षेत्र के ग्राम गट्टी महुवा में 48 वर्षीय गोईदी बाई का शव उसके घर में संदिग्ध हालत में मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि महिला की मौत गंभीर चोट पहुंचने के कारण हुई है, जिसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी। पुलिस की जांच में यह सामने आया कि मृतका पर जादू-टोना करने का शक था। इसी बात को लेकर पति ठूपन राम, उसकी दूसरी पत्नी फुला बाई, सुनील राम और सुरन्ती बाई ने मिलकर महिला के साथ मारपीट की और लकड़ी के डंडे से गंभीर हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों ने शव को घर लाकर बिस्तर पर रख दिया और ऊपर से कंबल डाल दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को शक था कि महिला ने जादू-टोना किया है, जिसके कारण उनका बच्चा नहीं हो रहा है। साथ ही, सुनील राम को यह भी संदेह था कि उनके पिता की कैंसर से मौत का कारण भी इसी महिला द्वारा किया गया कथित जादू-टोना है। इस मामले में पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, घटना में इस्तेमाल लकड़ी का डंडा जब्त कर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने बजट के बाद वेबिनार शृंखला की चौथी कड़ी को किया संबोधित

शिक्षा-स्वास्थ्य-खेल प्रमुख क्षेत्र : मोदी

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर दिया बल

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का मूल संकल्प है और शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल तथा संस्कृति जैसे क्षेत्र इन आकांक्षाओं को साकार करने के प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास-जन आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर आयोजित बजट के बाद की वेबिनार शृंखला की चौथी कड़ी को संबोधित कर रहे थे। इस वेबिनार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं, बल्कि सरकार के बजट का मूल उद्देश्य और संकल्प है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे निवेश और सुधार देश के विकास को नई दिशा देने वाले हैं। इन क्षेत्रों के माध्यम से न केवल युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार आधारित व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक व्यापक और निवारक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है। पिछले कुछ वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे को तेजी से मजबूत किया गया है और योग तथा आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिली है।

> "डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए कहा कि टेली-मेडिसिन ने दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इन सेवाओं को और अधिक सरल बनाने तथा इनके प्रति जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।
>
> **नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा भारतः प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में बढ़ती महिला भागीदारी पर भी संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की तकनीकों में बेटियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक मजबूत शोध पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर जोर दिया जिसमें युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर प्रयोग करने और नवाचार करने का पूरा अवसर मिले। उन्होंने एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान आधारित शिक्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके।

पाठ्यक्रम-प्रशिक्षण को मजबूत करने पर दिया जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा को वास्तविक अर्थव्यवस्था और बाजार की मांग से जोड़ना बेहद जरूरी होगा। उन्होंने विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने एवीजीसी (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत तेजी से नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान आधारित शिक्षण के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके।

स्वस्थ और अनुशासित युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति का होते हैं आधार

प्रधानमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में बढ़ती महिला भागीदारी पर भी संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की तकनीकों में बेटियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक मजबूत शोध पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर जोर दिया जिसमें युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर प्रयोग करने और नवाचार करने का पूरा अवसर मिले। खेलों के महत्व पर चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि स्वस्थ और अनुशासित युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति का आधार होते हैं। उन्होंने 'खेलो इंडिया' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से देश के छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों से प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट वापस दिल्ली लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) पर पाबंदियों की वजह से दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई033 को बीच रास्ते से वापस दिल्ली लौटना पड़ा।

फ्लाइटराडार24 की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली से मैनचेस्टर के लिए सोमवार को सुबह उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट (संख्या 6ई033) को पश्चिम एशिया एयरस्पेस में पाबंदियों के बीच इथियोपिया सीमा के पास पहुंचकर हवा से ही वापस मुड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं।

इंडिगो एयरलाइन ने पिछले साल मुंबई और मैनचेस्टर को जोड़ने वाली अपनी पहली लंबी दूरी की उड़ान शुरू की थी। इसके बाद नवंबर में दिल्ली और मैनचेस्टर के बीच सीधी उड़ानें शुरू की गई थीं। यह 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली से मैनचेस्टर की उड़ान थी। दिल्ली-मैनचेस्टर की ग्रेट सर्कल दूरी 6,829 किमी है और औसत उड़ान समय लगभग 11 घंटे है।

भारत सरकार की पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर पैनी नजर

नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताः जयशंकर

नई दिल्ली(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को संसद में कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में 'पश्चिम एशिया की स्थिति' पर दिए गए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने बताया कि 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष में इजराइल और अमेरिका एक तरफ हैं और दूसरी तरफ ईरान है, जबकि कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं। इस संघर्ष में भारी जनहानि और बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ है।

देश की ऊर्जा कंपनियों के प्रयासों का किया समर्थन

जयशंकर ने बताया कि ईरान के अनुरोध पर उसके एक पोत आईरिस लावन को 4 मार्च को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति दी गई। जहाज के चालक दल को भारतीय नौसैनिक सुविधाओं में रखा गया है और ईरान ने इस मानवीय सहायता के लिए भारत का आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि इस टकराव का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को देखते हुए सरकार इस मुद्दे पर विशेष ध्यान दे रही है। सरकार ऊर्जा बाजार की जवाबदेही, लागत और जोखिमों को पूरी तरह ध्यान में रखते हुए आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय उपभोक्ताओं का हित हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता रहा है और आगे भी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर भारतीय कूटनीति ने इस अस्थिर स्थिति में देश की ऊर्जा

तनाव कम करने की अपील

विदेश मंत्री ने कहा कि सरकार की नीति तीन प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित है— क्षेत्र में शांति और कूटनीतिक समाधान का समर्थन, पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना और भारत के राष्ट्रीय हितों, विशेषकर ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापारिक प्रवाह की रक्षा करना। उन्होंने कहा कि भारत सभी पक्षों से संयम बरतने और संवाद के जरिए तनाव कम करने की अपील करता है।

मेडिकल कॉलेजों में हड़ताल 16 मार्च तक स्थगित

भोपाल(एजेंसी)। लंबित स्टाइपेंड संशोधन को लेकर जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई है। सोमवार को सुबह 9 बजे से हड़ताल रही जो शाम 5 बजे तक चलती रही। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और चिकित्सा शिक्षा आयुक्त के साथ संयुक्त बैठक के बाद जेडीए ने निर्णय लिया कि अब हड़ताल को 16 मार्च तक स्थगित कर दिया जाए।

जेडीए ने अपने आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि कर दी है। बयान में बताया गया है कि बैठक में जूनियर डॉक्टरों की सभी लंबित मांगों पर विस्तृत और सार्थक चर्चा की गई है। इससे पहले सोमवार सुबह 9 बजे से हड़ताल रही। इस कारण गांधी मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग विभाग में पीपीटीसीटी काउंसलिंग एंड टेस्टिंग सेंटर, फर्टिलिटी क्लिनिक, एएनसी रूम सुमित अन्य व्यवस्थाएं प्रभावित होती रहीं। सीनियर डॉक्टर के साथ जूनियर डॉक्टर यहां की रिस्पांसिबिलिटी संभालते हैं। जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल पर होने के कारण मरीज को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। वह सुबह से अपनी बारी के इंतजार में बैठे रहे। मरीज अनवर ने बताया कि वह सुबह से काफी परेशान हैं। पैरों में दर्द है और अन्य बीमारियों के कारण सुबह से इलाज के लिए भटक रहे हैं। वे आगे बोल पाते तब तक गार्ड ने रोक दिया। गांधी मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन की एक दिन की हड़ताल से व्यवस्थाएं बुरी तरह से प्रभावित हुईं। जिसका सबसे बड़ा खामियाजा उन मरीजों को उठाना पड़ा जिनका सोमवार को ऑपरेशन होना था। ऐसे 20 से ज्यादा मरीजों की सर्जरी हड़ताल के कारण टल गई। इसकी पुष्टि हमीदिया अस्पताल के आंकड़े कर रहे हैं।

उत्तराखंड के चौबटिया में खत्म हुआ भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन'

- युद्ध और मुश्किल इलाकों में कॉम्बैट ड्रिल्स में जॉइंट ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाया

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के चौबटिया स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में 24 फरवरी से चल रहे भारत-जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' का समापन हो गया है। इस अभ्यास ने दोनों देशों के बीच इंटरऑपरेबिलिटी को मजबूत किया और काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन्स, शहरी युद्ध और मुश्किल इलाकों में कॉम्बैट ड्रिल्स में जॉइंट ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ाया।

सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' का सातवां संस्करण 24 फरवरी को शुरू हुआ था, जो 08 मार्च तक चला। वर्ष 2018 से भारत और जापान में बारी-बारी से होने वाला यह वार्षिक अभ्यास भारतझजापान रक्षा सहयोग का महत्वपूर्ण हिस्सा है। साझा सुरक्षा चुनौतियों और वैश्विक आतंकवाद के बदलते स्वरूप को देखते हुए इसका महत्व और बढ़ गया है। अभ्यास के समापन समारोह में भारत और जापान की सेनाओं के बीच गहन संयुक्त प्रशिक्षण की सफल परिणति को चिह्नित किया गया। इस अभ्यास ने भारत और जापान के बीच गहराते सामरिक संबंधों को और सुदृढ़ किया और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और उन्नत रक्षा सहयोग के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया। सेना ने रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी।

संस्कृति से परिचय के माध्यम से सौहार्द को बढ़ावा

सेना ने एक बयान में बताया कि अभ्यास के दौरान दोनों सेनाओं के जवानों ने एक साथ प्रशिक्षण लेकर पारस्परिक संचालन क्षमता (इंटरऑपरेबिलिटी) और संयुक्त अभियान दक्षता को सशक्त किया। प्रशिक्षण का मुख्य फोकस काउंटर इंसर्जेंसी और काउंटर टेररिज्म ऑपरेशन, शहरी युद्ध कौशल व जटिल भूभाग में युद्धाभ्यास पर रहा। इस दौरान सर्वोत्तम प्रक्रियाओं, परिचालन विधियों और पेशेवर अनुभवों का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही शारीरिक क्षमता, फायरिंग कौशल और फील्डक्राफ्ट में भी सुधार किया गया। अभ्यास ने आपसी संवाद और एक-दूसरे की परंपराओं एवं संस्कृति से परिचय के माध्यम से सौहार्द को भी बढ़ावा दिया।

संयुक्त बलों ने आतंकवादियों के विरुद्ध चलाया अभियान

अभ्यास का प्रमुख आकर्षण एक्सरसाइज 'आसाही शक्ति' रहा, जिसे संयुक्त प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त मानकों के परीक्षण के लिए वैलिडेशन अभ्यास के रूप में आयोजित किया गया। इस चरण में चौबटिया क्षेत्र में एक काल्पनिक परिचालन परिदृश्य के आधार पर 48 घंटे का फील्ड अभ्यास किया गया, जिसमें संयुक्त बलों ने आतंकवादियों के विरुद्ध अभियान चलाया। इसमें भूभाग विश्लेषण, कंपनी ऑपरेटिंग बेस की स्थापना, गश्त एवं घात लगाकर खुफिया जानकारी एकत्र करना, कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन, विशेष हेलिबोर्न ऑपरेशन, रूम इंटरवेंशन तथा बंधक मुक्ति अभ्यास शामिल थे। स्थिति की बेहतर समझ, समन्वय और परिचालन प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए ड्रोन सहित आधुनिक निगरानी तकनीकों का भी उपयोग किया गया।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म करने से पहले नेतन्याहू से भी बात होगी: ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ जारी संघर्ष को कब समाप्त करना है इसका निर्णय इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर लिया जाएगा। 'द टाइम्स ऑफ इजराइल' के साथ टेलीफोन साक्षात्कार में अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह बात कही। ट्रंप ने कहा कि वर्तमान सैन्य कार्रवाई से पहले ईरान इजराइल को नष्ट करने के करीब था। उन्होंने कहा कि ईरान इजराइल और उसके आसपास की हर चीज को तबाह करने जा रहा था। हमने मिलकर काम किया है।

हमने उस देश को नष्ट कर दिया है जो इजराइल को मिटाना चाहता था। यह पूछे जाने पर कि क्या अभियान को रोकने का अधिकार पूरी तरह से अमेरिका के पास है या इस निर्णय में इजराइल का भी समान प्रभाव है, ट्रंप ने संकेत दिया कि दोनों नेता एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ हद तक आपसी है। हम बात कर रहे हैं। मैं सही समय पर फैसला लूँगा, लेकिन हर बात को ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अंतिम फैसला उनका होगा, लेकिन नेतन्याहू के विचारों पर भी विचार किया जाएगा। जब ट्रंप से पूछा गया कि यदि अमेरिका अपनी तरफ से कार्रवाई रोक देता है, तो क्या इजराइल स्वतंत्र रूप से सैन्य अभियान जारी रख सकता है, तब उन्होंने इस संभावना को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसकी आवश्यकता होगी। ये टिप्पणियां तब आई हैं जब व्हाइट हाउस ने सुझाव दिया है कि यह संघर्ष चार से छह सप्ताह तक चल सकता है, हालांकि ट्रंप ने किसी विशिष्ट समय सीमा की घोषणा नहीं की है। यह लड़ाई 28 फरवरी को अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान के साथ शुरू हुई थी। इन हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। ट्रंप ने नेतन्याहू के लिए कानूनी राहत (माफी) की अपनी मांग को भी दोहराया। इजराइली प्रधानमंत्री वर्तमान में रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोपों में मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

रकाब गंज साहिब में शुकराना कीर्तन समागम आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब स्थित लखी शाह वंजारा हॉल में शुकराना कीर्तन समागम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। समागम के उपरांत संगत के लिए लंगर (भोज) की भी व्यवस्था की गई। यह आयोजन सिक्खा ग्रुप के चेयरमैन गुरिंदर सिंह सिक्खा की विवाह की स्वर्ण जयंती (50वीं वर्षगांठ) के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर गुरिंदर सिंह सिक्खा ने बताया कि यह शुकराना समागम गुरु साहिब के आशीर्वाद के प्रति कृतज्ञता और धन्यवाद स्वरूप आयोजित किया गया है। समागम को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन हरमीत सिंह कालका ने भी संबोधित किया और संगत को गुरुवाणी के मार्ग पर चलने तथा सेवा और सिमरन के महत्व के बारे में प्रेरित किया। इस अवसर पर यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन अरविंदर सिंह लवली, पूर्व विधायक विपिन शर्मा, पूर्व निगम पार्षद गुरुचरण सिंह राजू, सिक्खा ग्रुप के डायरेक्टर मयंक सिक्खा व प्रणव सिक्खा, झंकार ग्रुप के चेयरमैन महेश कपूर, हीरा स्वीट्स के प्रोपाइटर पारस शर्मा, राष्ट्र टाइम्स के संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी, फेस ग्रुप के मुश्ताक अंसारी, समाजसेवी कैलाश अरोड़ा, विकास मार्ग ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, सतवीर अग्रवाल, पियूष चौधरी, सतीश भट्ट सहित अनेक मंत्री, सांसद और गणमान्य लोग समागम में उपस्थित रहे।

दुर्लभ बीमारियों पर जागरूकता के लिए 'केयर फॉर रेयर' वर्कशॉप आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुर्लभ बीमारियों (रेयर डिजीज) के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों पर चर्चा के उद्देश्य से 'केयर फॉर रेयर' विषय पर एक विशेष सेंसिटाइजेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लेते हुए जेनेटिक स्क्रीनिंग, आधुनिक उपचार पद्धतियों और रेयर डिजीज मैनेजमेंट पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर बीएल चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि डॉ नरोत्तम विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। वर्कशॉप का आयोजन चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय की पूर्व निदेशक प्रोफेसर सीमा कपूर द्वारा किया गया, जिनकी पहल का उद्देश्य चिकित्सा समुदाय को रेयर डिजीज की पहचान, समय पर जांच और उन्नत उपचार विकल्पों के प्रति संवेदनशील बनाना था। कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों ने भी अपने शोध और अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने कहा कि रेयर डिजीज की समय पर पहचान के लिए जेनेटिक स्क्रीनिंग बेहद महत्वपूर्ण है और आधुनिक तकनीक व उन्नत थेरेपी के माध्यम से इन बीमारियों के उपचार की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण और जागरूकता पर भी जोर देते हुए कहा कि इसी के माध्यम से दुर्लभ बीमारियों की पहचान और इलाज को बेहतर बनाया जा सकता है। वर्कशॉप ने चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े डॉक्टरों, शोधकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच ज्ञान-विनिमय और सहयोग को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

लक्ष्मी नगर में रोजा इफ्तार दावत का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लक्ष्मी नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट अविशेक कुमार की ओर से समाज सदन, जे एक्सटेंशन, लक्ष्मी नगर में रोजा इफ्तार दावत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई-बहनों के साथ हिंदू समाज के लोग भी शामिल हुए और सभी ने मिलकर भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी ने एक साथ रोजा खोला और खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में जिला कृष्णा नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुमित शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने इफ्तार पार्टी को भाईचारे और एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सद्भाव और प्रेम को मजबूत करते हैं। इफ्तार दावत में खजूर, फल, जूस और विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए। रोजा सबसे पहले खजूर और पानी से खोला गया, इसके बाद नमाज अदा की गई और फिर सभी लोगों ने मिलकर एक साथ भोजन किया। रोजा इफ्तार का आयोजन लक्ष्मी नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा किया गया। इस मौके पर अविशेक कुमार (अध्यक्ष, लक्ष्मी नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी), इमरान अमीन (अध्यक्ष, सोशल मीडिया, लक्ष्मी नगर विधानसभा कांग्रेस कमेटी), दीपक कुमार गुप्ता (अध्यक्ष, सोशल मीडिया, लक्ष्मी नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी), विक्रम निजावन (मंडल अध्यक्ष), सुनील गुप्ता, दिनेश गौतम, सलीम और मुकेश चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर अविशेक कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से हिंदू-मुस्लिम एकता को मजबूती मिलती है और समाज में भाईचारे की मिसाल कायम होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए, ताकि एकता और सद्भाव का संदेश दूर-दूर तक पहुंचे।

दिल्ली दंगा केस : शरजील इमाम को भाई की शादी में जाने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की साजिश रचने के मामले में आरोपित शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने यह राहत उन्हें अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए दी है। अदालत ने कहा कि यह जमानत सीमित अवधि के लिए पारिवारिक कारणों के आधार पर दी जा रही है। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद शरजील इमाम को दोबारा आत्मसमर्पण करना होगा। गौरतलब है कि शरजील इमाम वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों से जुड़े कथित साजिश मामले में आरोपित हैं। इस मामले की जांच दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा द्वारा की जा रही है। फरवरी 2020 में हुए इन दंगों में 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे और संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। अदालत के आदेश के अनुसार जमानत अवधि खत्म होने के बाद उन्हें फिर से जेल में लौटना होगा।

हवा की गति बढ़ने से प्रदूषण में मामूली सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हवा की रफ्तार बढ़ने से राजधानी में प्रदूषण की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है। हालांकि, अब भी हवा खराब श्रेणी में बनी हुई है। अनुमान है कि अगले दो दिनों में वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। दिल्ली में आमतौर पर गर्मियां बढ़ने के साथ ही हवा की गति तेज हो जाती है और लोगों को प्रदूषण से काफी हद तक राहत मिल जाती है। बीते तीन दिनों से हवा की गति धीमी होने के चलते दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, सोमवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 209 दर्ज किया गया। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले रविवार को यह सूचकांक 247 था। यानी चौबीस घंटे में इसमें 38 अंकों का सुधार हुआ है। आगामी दो दिनों में हवा की रफ्तार बढ़ने का अनुमान है। इससे प्रदूषण के स्तर में कमी आने का अनुमान है।

साकेत कोर्ट के पास दो युवतियों से छेड़छाड़, चार किशोर पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर के पास स्थित पार्क में टहल रही उत्तर-पूर्व की दो युवतियों से छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने चार नाबालिगों को हिरासत में लिया है। पूछताछ के बाद सभी को जेजे बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें बाल सुधार गृह भेज दिया गया। पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के अनुसार, रविवार शाम मणिपुर की रहने वाली एक युवती ने बदसलूकी और मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता पेशे से वकील है, जबकि उसकी दोस्त असम की रहने वाली ट्रांसजेंडर है, जो उससे मिलने साकेत कोर्ट आई थी। दोनों कोर्ट परिसर के पास स्थित पार्क में टहल रही थीं, तभी कुछ लड़के वहां पहुंचे और आपत्तिजनक टिप्पणियां करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए दोनों से छेड़छाड़ की और मणिपुर की युवती के साथ मारपीट कर दी। घायल युवती को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और देर रात एक नाबालिग को पकड़ लिया।

दिल्ली उच्च न्यायालय में शराब घोटाले पर याचिका स्वीकार, वीरेन्द्र सचदेवा ने किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा कथित शराब घोटाले के मामले में निचली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अदालत के उस निर्णय के विरुद्ध दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार किए जाने पर दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने स्वागत व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया लंबी अवश्य हो सकती है, किंतु अंततः सत्य की ही विजय होती है और इस प्रकरण में भी तथ्य न्यायालय के समक्ष स्पष्ट होंगे।

दिल्ली भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि उच्च न्यायालय में विस्तृत और तार्किक सुनवाई के बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपितों को निचली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अदालत द्वारा दिए गए डिस्चार्ज आदेश के विरुद्ध दायर याचिका को स्वीकार किया जाना न्यायिक प्रक्रिया की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनका कहना था कि अब इस मामले में विस्तृत बहस के बाद सच्चाई सामने आएगी। पत्रकार सम्मेलन का संचालन भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने किया।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली भाजपा निचली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अदालत का पूरा सम्मान करती है, किंतु जिस प्रकार दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के अधिकारियों के विरुद्ध की गई टिप्पणियों पर रोक लगाई है, वह स्वयं निचली अदालत के निर्णय पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ विधि विशेषज्ञों ने भी निचली अदालत के फैसले में कई कमियों की ओर संकेत किया है।

उन्होंने बताया कि अनेक बिंदु ऐसे हैं जो इस मामले में गंभीर प्रश्न उठाते हैं। इनमें न्यायमूर्ति रंजन गोगोई समिति की रिपोर्ट की अनदेखी किए जाने का मुद्दा, एक आरोपित जाकिर खान द्वारा कथित रूप से फर्जी ईमेल के माध्यम से जनमत प्रभावित करने का प्रयास तथा गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान हवाला भुगतान से जुड़े कथित प्रमाण शामिल हैं। सचदेवा ने दावा किया कि इन मामलों से जुड़े दस रुपये के नोट का उल्लेख भी जांच में सामने आया है।

वीरेन्द्र सचदेवा ने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा प्रवर्तन निदेशालय की ओर से चल रही न्यायिक कार्यवाही को जारी रखने की अनुमति दिया जाना न्यायिक प्रक्रिया को और मजबूत बनाता है।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल का निचली अदालत से बरी होना कोई असामान्य घटना नहीं है। इससे पहले भी कई घोटालों के आरोपों में घिरे नेता निचली अदालतों से राहत प्राप्त कर चुके हैं, किंतु बाद में उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय की प्रक्रिया में कई मामलों में कठोर दंड भी सुनाया गया है। उदाहरण देते हुए उन्होंने लालू प्रसाद यादव, ए. राजा और कनिमोझी जैसे नेताओं का उल्लेख किया।

सचदेवा ने कहा कि दिल्ली भाजपा का मानना है कि न्यायालय में होने वाली विस्तृत सुनवाई से पूरे प्रकरण की वास्तविकता स्पष्ट होगी और यदि कोई अनियमितता हुई है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

दिल्ली शराब नीति केस डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली शराब नीति केस डिस्चार्ज आदेश पर रोक नहीं। उन्होंने इसे अपनी बड़ी कानूनी जीत बताया। उन्होंने कहा कि अदालत ने अब तक ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के कथित शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपितों को ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए डिस्चार्ज आदेश पर फिलहाल कोई रोक नहीं लगी है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायवय ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर स्टे देने से इनकार कर दिया।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने पाया कि तथाकथित शराब घोटाले का मामला पूरी तरह से फर्जी और मनगढ़ंत था। उन्होंने बताया कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि उपलब्ध सबूत इतने मजबूत नहीं हैं कि मामले को ट्रायल के लिए आगे बढ़ाया जा सके। कोर्ट ने सभी आरोपियों को आरोपमुक्त करते हुए कहा था कि आरोप मुख्य रूप से अनुमान और संभावनाओं पर आधारित हैं।

भारद्वाज ने कहा कि उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से दलीलें रखी गईं। अदालत ने फिलहाल ट्रायल कोर्ट के डिस्चार्ज आदेश पर कोई स्टे नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट द्वारा सीबीआई अधिकारियों पर की गई कुछ टिप्पणियों और संभावित प्रशासनिक कार्रवाई से संबंधित हिस्से पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि अदालत ने अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर उनका पक्ष भी मांगा है।

दिल्ली अध्यक्ष ने बताया कि इस मामले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर भी अदालत ने कहा कि जब तक इस अपील पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक संबंधित कार्यवाही को फिलहाल टालकर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है कि मामला अभी खत्म नहीं हुआ है और ऊपरी अदालत में सुनवाई जारी रहेगी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के दिल्ली अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई आगे बढ़ेगी।

नए मेट्रो कॉरिडोर से राजधानी में कनेक्टिविटी मजबूत होगी : गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता तथा पश्चिमी जिले के पूर्व सह-प्रभारी गुरमीत सिंह सूरा ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार दिल्ली की जनता को लगातार विकास की सौगात दे रही है। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता की सरकार लगभग हर क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य कर रही है और मात्र एक वर्ष में शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उनके अनुसार भाजपा सरकार ने एक साल में ही आम आदमी पार्टी के 11 वर्षों के शासन से अधिक काम करके दिखाया है। गुरमीत सिंह सूरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का उद्घाटन किया और तीन नई मेट्रो लाइनों की आधारशिला भी रखी। इससे दिल्ली के कई महत्वपूर्ण इलाकों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। प्रधानमंत्री ने पिंक लाइन के 12.3 किलोमीटर लंबे मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर और मैजेंटा लाइन के 9.9 किलोमीटर लंबे दीपाली चौक-मजलिस पार्क कॉरिडोर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि नए मेट्रो रूट से पूरी दिल्ली को लाभ मिलेगा, लेकिन विशेष रूप से यमुनापार क्षेत्र को ज्यादा फायदा होगा। इन कॉरिडोर के शुरू होने से उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जगतपुर-वजीराबाद, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार के साथ-साथ मधुबन चौक, हैदरपुर बादली मोड़, भलस्वा और मजलिस पार्क सहित कई इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस सेक्शन के जुड़ने से पिंक लाइन की लंबाई लगभग 71.56 किलोमीटर हो जाएगी और दिल्ली देश की पहली पूरी तरह संचालित रिंग मेट्रो का शहर बन जाएगी। गुरमीत सिंह सूरा ने बताया कि मजलिस पार्क-मौजपुर कॉरिडोर पर मजलिस पार्क, बुराड़ी, झड़ौदा माजरा, जगतपुर-वजीराबाद, सूरघाट, नानकसर-सोनिया विहार, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार और मौजपुर-बाबरपुर सहित कई मेट्रो स्टेशन बनाए गए हैं। यह सेक्शन पहले से संचालित मजलिस पार्क-शिव विहार पिंक लाइन का हिस्सा है। इन दोनों कॉरिडोर के शुरू होने से नोएडा, गाजियाबाद, पूर्वी दिल्ली और बाहरी दिल्ली के बीच आवागमन और अधिक सुगम हो जाएगा।

आत्मनिर्भर महिलाएं ही देश के समग्र विकास की असली भागीदार: अर्जुन राम मेघवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली के यशोभूमि में एडीएसईआई और सीएआईटी द्वारा डायरेक्ट सेलिंग-विमेन एंटरप्रेन्योर्स समिट 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित अन्य नेता उपलब्ध रहे। अपने सम्बोधन में अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि डायरेक्ट सेलिंग से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने देश के समग्र विकास के लिए महिलाओं की भागीदारी आवश्यक बताया है। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को संबोधित करते हुए प्रहलाद जोशी ने कहा डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री महिलाओं को उद्यमी बनने का काम कर रही है, साल 2015 में डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री जहां महज 3 हज़ार करोड़ की थी वह आज बढ़कर तीस हज़ार करोड रुपए की हो गई है। इस इंडस्ट्री से सरकार को आज 3600 करोड रुपए का टैक्स भी मिल रहा है। प्रहलाद जोशी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डायरेक्ट सेलिंग के हितों को ध्यान में रखते हुए नए नियम बनाए गए हैं और इस इंडस्ट्री को नए रूप में परिभाषित किया गया है।इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए एडीएसइआई के अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि साल 2019 के बाद से डायरेक्ट सेलिंग को नई पहचान मिली है। साथ ही यह इंडस्ट्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत, स्किल इंडिया और स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल जैसे लक्ष्यों में अहम और सीधी भूमिका निभा रही है।

दिल्ली में फिर होंगे विधानसभा चुनाव? आप सांसद संजय की मांग से सियासी हलचल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप सांसद संजय सिंह ने दिल्ली में दोबारा से विधानसभा चुनाव की मांग रख दी है। उन्होंने कहा कि सिटिंग मुख्यमंत्री को जेल में डालकर हमारे साथ दुष्प्रचार किया गया। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव फिर से कराने की मांग सदन में उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि एक प्रचंड बहुमत की सरकार को गिराने की साजिश रची गई। उसके मंत्री नेता को जेल में डाला गया। उन्होंने कहा कि पहली बार हुआ कि एक सिटिंग मुख्यमंत्री को जेल में डालकर हमारे खिलाफ दुष्प्रचार किया गया। इस लिए इस सरकार को भंग कर फिर से दिल्ली में चुनाव कराए जाए ताकि दिल्ली की जनता सही चुनाव कर सके। संजय सिंह की इस मांग पर सियासी हलचल तेज हो गई है। कथित शराब घोटाले को लेकर सभी आरोप मुक्त 23 लोगों को हाईकोर्ट से नोटिस जारी किया गया है। इस पर राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा सीबीआई की अर्जी पर निचली अदालत के फैसले पर रोक नहीं लगाई और हम अपना पक्ष हाईकोर्ट में भी रखेंगे। विपक्ष के प्रदर्शन पर कहा कि मौजूदा हालात देश को महंगाई की तरफ ले जा रहे है। ईरान से रिश्ते खराब होने पर महंगाई बढ़ रही है। क्योंकि समुद्री रास्ते से कच्चा तेल और गैस ईरान से ही आता था। इस दौरान संजय सिह ने पीएम मोदी पर भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस आपदा में अवसर मोदी के दोस्तों ने ढूंढ लिया। गैस के दाम अडानी ने तीन गुना बढ़ा दिए है और तेल के दाम भी बढ़ेंगे। ये सब पीएम मोदी की वजह से हो रहा है। संजय सिंह ने स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया। इस पर उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी विपक्ष के साथ खड़ी है और इस अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करती है।

छोटे मूल्यवर्ग के नकली नोटों का मुद्दा राज्यसभा में उठा, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली (शिखर समाचार) अजित माधवराव गोपछड़े ने सोमवार को राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान देश की अर्थव्यवस्था से जुड़े एक गंभीर मुद्दे कम मूल्यवर्ग की नकली भारतीय मुद्रा के बढ़ते प्रसार को उठाते हुए केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। सदन में अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि देश में 200, 100, 50 और 20 जैसे छोटे मूल्यवर्ग के जाली नोटों का प्रसार धीरे धीरे बढ़ रहा है। उनके अनुसार ये नकली नोट छोटे शहरों, कस्बों, गांवों और स्थानीय बाजारों में तेजी से फैल रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि इस समस्या का सबसे अधिक प्रभाव गरीब, किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार और मध्यम वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि ये वर्ग आज भी नकद लेन देन पर अधिक निर्भर हैं। कई बार ईमानदार नागरिक अनजाने में जाली नोट स्वीकार कर लेते हैं और जब वे इसे बैंक या पुलिस के पास जमा करते हैं तो उनका पैसा जब्त हो जाता है,

जिससे उन्हें सीधा आर्थिक नुकसान होता है। इस दौरान सांसद ने वर्ष 2016 में उच्च मूल्यवर्ग की मुद्रा को प्रचलन से हटाने के फैसले के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण था।

सांसद ने नकली नोटों की समस्या से निपटने के लिए सरकार के समक्ष सप्त शक्ति रणनीति का सुझाव भी रखा। इसमें जाली नोट की सूचना देने वाले नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने, रिपोर्टिंग प्रणाली को सरल बनाने, इस अपराध की जांच में केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका बढ़ाने तथा भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और प्रवर्तन निदेशालय की संयुक्त टास्क फोर्स गठित करने का सुझाव शामिल है। इसके अलावा उन्होंने समय समय पर नोटों के सुरक्षा फीचर्स बदलने और सीमावर्ती क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता बताई।

अंत में सांसद ने उम्मीद जताई कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए नकली मुद्रा के प्रसार को रोकने और देश की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

बढ़ी फीस न देने पर छात्रों को स्कूल में प्रवेश से रोका : अभिभावक

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, व. सं.। राजधानी में निजी स्कूलों की मनमानी फीस का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को पूर्वी दिल्ली के एक निजी स्कूल के अभिभावकों ने आरोप लगाया कि बढ़ी हुई फीस न देने पर चार छात्रों स्कूल में प्रवेश से रोक दिया गया। अभिभावकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि स्कूल बढ़ी फीस न देने पर नाम काटने की धमकी दे रहे हैं। इस मामले में शिक्षा विभाग के अफसरों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अभिभावकों ने दावा किया कि स्कूल ने उन्हें एक नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया कि दिल्ली स्कूल एजुकेशन नियमों के तहत छात्रों के नाम काट दिए जाएंगे। इस मामले पर स्कूल की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है। अभिभावकों ने कहा कि अगर शिक्षा विभाग कोई समाधान नहीं करता, तो वह जल्द कोर्ट का रुख करेंगे।

यमुना में बाढ़ से बचाव के लिए दिल्ली में बनेगी 4.7 किमी लंबी सुरक्षा दीवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में मानसून के दौरान यमुना के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ के खतरे को देखते हुए सरकार ने रिंग रोड के किनारे बाढ़ रोधी दीवार बनाने का निर्णय लिया है। यह दीवार मजनू का टीला से कश्मीरी गेट के पास स्थित लोहा पुल तक लगभग 4.7 किलोमीटर लंबाई में बनाई जाएगी, जिससे आसपास के क्षेत्रों को बाढ़ से बचाया जा सके।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना पर लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दीवार निर्माण के लिए निविदा जारी कर दी गई है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। योजना के तहत संवेदनशील क्षेत्रों में मजबूत कंक्रीट की दीवार बनाई जाएगी, जबकि अन्य हिस्सों में ईंट या पत्थर से निर्माण किया जाएगा। दीवार की ऊंचाई लगभग छह फीट रखी जाएगी।

दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि राजधानी में बाढ़ नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष यमुना का जलस्तर 207.88 मीटर तक पहुंचने के बावजूद बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि समय रहते कई व्यवस्थाएं की गई थीं। अब भविष्य में ऐसी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने के लिए स्थायी समाधान के रूप में यह दीवार बनाई जा रही है।

वर्ष 2023 में आई बाढ़ के दौरान आइटीओ, सिविल लाइंस, मजनू का टीला और बेला रोड जैसे क्षेत्रों में पानी भर गया था, जिससे कई दिनों तक जनजीवन प्रभावित रहा था। इसी अनुभव को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह परियोजना शुरू करने का निर्णय लिया है, ताकि यमुना का पानी रिंग रोड और आसपास के आवासीय क्षेत्रों व बाजारों तक न पहुंचे।

विशेषज्ञों का कहना है कि यमुना की तलहटी में लगातार जमा हो रही गाद और डूब क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण के कारण नदी की जलधारण क्षमता कम होती जा रही है। इसके चलते हरियाणा के हथनी कुंड बैराज से अपेक्षाकृत कम पानी छोड़े जाने के बावजूद दिल्ली में जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है।

एम्स और इसरो मिलकर करेंगे स्पेस मेडिसिन रिसर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एम्स और इसरो मिलकर स्पेस मेडिसिन रिसर्च करेंगे। इसके लिए सोमवार को दिल्ली एम्स और इसरो के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में एमओयू साइन किया गया। दोनों संस्थानों के बीच हुई इस साझेदारी का उद्देश्य अंतरिक्ष में मानव शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और स्पेस मेडिसिन के क्षेत्र में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इससे अंतरिक्ष मिशन में फायदा मिलेगा। ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) दिल्ली के डायरेक्टर एम. श्रीनिवास और इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर (एचएसएफसी) के डायरेक्टर दिनेश कुमार सिंह के बीच यह एमओयू साइन किया गया। एम्स के मुताबिक, इस सहयोग के तहत स्पेस मेडिसिन के क्षेत्र में ग्राउंड आधारित और स्पेस आधारित अनुसंधान के लिए एक साझा ढांचा तैयार किया जाएगा। इसके तहत अंतरिक्ष यात्रियों के मानसिक, शारीरिक और व्यवहारिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर अनुसंधान किए जाएंगे।इस मौके पर एम्स के डायरेक्टर प्रो. एम.श्रीनिवास ने कहा कि यह एमओयू स्पेस मेडिसिन के क्षेत्र में एक साथ काम करने के लिए गति और प्लेटफार्म देगा। एम्स और इसरो के बीच मिलकर किए गए अनुसंधानों से मरीजों, देश और मानवता को फायदा होगा। इस मौके पर इसरो के चेयरमैन और डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने भारत के स्पेस प्रोग्राम के सफर पर प्रकाश डाला।

आम आदमी पार्टी का 'कट्टर ईमानदार' का दावा हो रहा बेनकाब : आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को निचली अदालत के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें आबकारी नीति मामले की जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान संबंधित आदेश पर रोक लगाते हुए आगे की कार्यवाही पर फिलहाल विराम लगा दिया है। इसी संदर्भ में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली की कथित शराब नीति घोटाले और उससे जुड़े हालिया न्यायिक घटनाक्रम पर आम आदमी पार्टी (आप) और उसके नेताओं पर तीखा प्रहार किया।

मंत्री ने कहा कि आप ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के नाम पर राजनीति शुरू की थी, लेकिन न तो 49 दिन की सरकार के दौरान और न ही उसके बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई गंभीर प्रयास दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी 2014 को इंडिया इस्लामिक सेंटर में हुई एक चर्चा के दौरान भी इस मुद्दे से पल्ला झाड़ लिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि अब दिल्ली की जनता के पैसे से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार की जांच का रास्ता खुल गया है और जल्द ही जांच एजेंसियां और अदालत इस पर फैसला देंगी। मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं को दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सूद ने यह भी कहा कि हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट की कुछ टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उन्होंने क्रिकेट के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे मैच में जल्दी जश्न मनाने को 'सेलिब्रेटिंग टू अर्ली' कहा जाता है, उसी तरह आम पार्टी ने भी खुद को जल्दबाजी में 'कट्टर ईमानदार' घोषित कर दिया था। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा हाईकोर्ट में दायर अपील के बाद अदालत ने जांच एजेंसी के कर्मचारियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम पार्टी के नेताओं ने इस पूरे मामले में अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए कई महत्वपूर्ण साक्ष्यों को नष्ट करने की कोशिश की। यह बात सामने आई है की शराब घोटले के साक्ष्य मिटाने के लिए आप के नेताओं ने 170 मोबाइल फोन और 43 सिम कार्ड नष्ट किए। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के अनुसार रिपोर्ट के पेज 99 पर लगभग 2202.68 करोड़ रुपए के संभावित नुकसान/भ्रष्टाचार का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि पुरानी शराब नीति में एक बोतल पर सरकार को लगभग 329.90 रुपए का राजस्व प्राप्त होता था, जबकि नई नीति में यह घटकर लगभग 8.32 रुपए रह गया। इसके साथ ही खुदरा विक्रेताओं का मार्जिन 33.35 रुपए से बढ़कर 363.27 रुपए कर दिया गया, जिससे सरकार के राजस्व पर बड़ा प्रभाव पड़ा। सूद ने कहा कि इसी कारण सरकार को यह नीति वापस लेनी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद आम आदमी पार्टी यह दावा करती रही कि उनकी बनाई शराब नीति में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आज हाईकोर्ट की टिप्पणी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कानून अपना काम करेगा और इस मामले की जांच आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी लगातार खुद को 'कट्टर ईमानदार' बताती रही, लेकिन अब सच्चाई धीरे-धीरे सामने आ रही है। सूद ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों ने इस मामले में सैकड़ों लोगों से पूछताछ की है और कई लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आप इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग देकर 'विक्टिम कार्ड' खेलने की कोशिश करती रही है। उन्होंने कहा कि अब आम आदमी पार्टी को दिल्ली की जनता के सामने जवाब देना होगा कि मोबाइल फोन और सिम कार्ड क्यों नष्ट किए गए, शराब नीति वापस क्यों ली गई और सरकार के राजस्व में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई। मंत्री ने यह भी बताया कि आज का दिन दिल्ली की राजनीति में एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि अदालत की कार्यवाही के बाद आम आदमी पार्टी के दावों की वास्तविकता सामने आ रही है।

नया गाजियाबाद : हरनंदीपुरम से एरोसिटी तक, 3300 करोड़ के बजट से संवरेगी शहर की सूरत

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) अब शहर को एक नई वैश्विक पहचान दिलाने की तैयारी में है। उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल के नेतृत्व में प्राधिकरण ने शहर के समग्र विकास के लिए विजन 2026 का खाका तैयार कर लिया है। नए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्राधिकरण ने 328700 लाख (लगभग 3287 करोड़) के व्यय का भारी भरकम लक्ष्य रखा है, जिससे हरनंदीपुरम आवासीय योजना, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और एरोसिटी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा।

हरनंदीपुरम : दिल्ली एनसीआर का नया रिहायशी हब

गाजियाबाद के ड्रीम प्रोजेक्ट हरनंदीपुरम के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर चल रही है। अब तक 79 हेक्टेयर भूमि खरीदी जा चुकी है, जबकि 130 हेक्टेयर के लिए किसानों ने सहमति दे दी है। इस योजना के लिए 2384 करोड़ का बजट प्रस्तावित है, जिसमें मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत 400 करोड़ की राशि प्राप्त हो चुकी है। कंसल्टेंट द्वारा संशोधित डीपीआर जल्द ही बोर्ड के समक्ष रखी जाएगी।

राजनगर एक्सटेंशन में बनेगा 55 हजारी स्टेडियम और एरोसिटी

खेल प्रेमियों के लिए बड़ी खबर है कि राजनगर एक्सटेंशन के ग्राम मोरटी और अटौर में 31 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनेगा। 450 करोड़ की लागत वाले इस स्टेडियम में 55000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। खास बात यह है कि स्टेडियम के चारों ओर एरोसिटी की तर्ज पर एक इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित की जाएगी, जिसमें लग्जरी होटल, शॉपिंग मॉल, स्पोर्ट्स एकेडमी और मल्टीलेवल पार्किंग जैसी सुविधाएं होंगी।

सड़कों का जाल और जाम से मुक्ति

प्राधिकरण ने राजनगर एक्सटेंशन की जोनल सड़कों को मार्च से जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, 100 करोड़ की लागत से एलिवेटेड रोड पर इंदिरापुरम से दिल्ली और दिल्ली से वसुंधरा की ओर जाने के लिए स्लिप रोड का निर्माण किया जाएगा। हापुड़ चुंगी से डायमंड कट तक फ्लाईओवर और सेठ मुकुंदलाल चौराहे को सिग्नल फ्री बनाने की योजना पर भी मुहर लग गई है।

थीम आधारित पार्कों से हरा भरा होगा शहर

गाजियाबाद को गार्डन सिटी बनाने के लिए जीडीए ने करोड़ों की लागत से चार बड़े थीम पार्क प्रस्तावित किए हैं: जिसमें रामायण थीम पार्क (कोयल एन्क्लेव): 26.26 करोड़
डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क (राजेंद्र नगर): 53 करोड़
विकसित भारत पार्क (मधुबन बापूधाम): 45 करोड़
संस्कृति दर्शन पार्क (इंदिरापुरम): 16 करोड़
साथ ही, 143 एकड़ में फैले सिटी फॉरेस्ट का 55 करोड़ से कायाकल्प होगा, जहाँ डायनासोर पार्क और जंगल स्टे जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

हिंडन तटबंध और सुव्यवस्थित चौराहे

बाढ़ नियंत्रण और यातायात को बेहतर करने के लिए हिंडन नदी पर तटबंध बनाया जाएगा, जिसके किनारे भविष्य में रिवरफ्रंट विकसित करने की योजना है। शहर के 10 प्रमुख चौराहों (जैसे होली चाइल्ड, अजनारा और हिन्ट चौक) को ग्रीनलैंड थीम पर सुंदर बनाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शिवा पाठशाला में मास्को से आई ओलगा सिंह का सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिवा प्राथमिक पाठशाला में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मास्को से आई विदेशी मेहमान ओलगा सिंह का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद शिवा पाठशाला के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान नगर शिक्षा अधिकारी मनोज गुप्ता ने बच्चों को जीवन में सफलता पाने के लिए प्रेरित करते हुए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। डॉ हरजीत कौर ने बच्चों को जीवन में कभी हार न मानने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। मास्को से आई ओलगा सिंह जब शिवा पाठशाला पहुंचीं तो उन्होंने उत्तर प्रदेश के एक सरकारी विद्यालय में बच्चों की प्रतिभा और शिक्षण व्यवस्था को देखकर खुशी जताई। उन्होंने बच्चों से अंग्रेजी में ज्ञान विज्ञान और सामान्य विषयों से जुड़े प्रश्न पूछे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका डॉ सुमन अग्रवाल ने उन प्रश्नों का हिंदी में अनुवाद कर बच्चों तक पहुंचाया और बच्चों के उत्तर विदेशी अतिथि तक पहुंचाए। बच्चों ने भारतीय संस्कृति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसकी ओलगा सिंह ने सराहना की। ओलगा सिंह ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन और परिवार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है और सपनों को साकार करने का सबसे प्रभावी रास्ता भी शिक्षा ही है। कार्यक्रम के अंत में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ओलगा सिंह और डॉ हरजीत कौर को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधानाध्यापिका डॉ सुमन अग्रवाल, नीतू नारंग, लक्ष्मी शर्मा, सोनम, सुमन सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

डासना में जीडीए का बुलडोजर : 12,000 वर्ग मीटर में बस रही अवैध कॉलोनी ध्वस्त, विरोध के बीच बड़ी कार्रवाई

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए डासना के भूडगढ़ी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने लगभग 12,000 वर्ग मीटर भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजरों द्वारा विरोध भी किया गया, लेकिन पुलिस और प्राधिकरण की टीम ने सख्ती दिखाते हुए अवैध निर्माण को पूरी तरह गिरा दिया। प्राधिकरण के निर्देश पर प्रवर्तन जोन 5 की टीम के नेतृत्व में यह कार्रवाई रविवार को की गई। जांच में सामने आया कि भूडगढ़ी रोड डासना में खसरा नंबर 2575 और 2657 की करीब 6000 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। वहीं गंगा पेपर मिल के पीछे भूडगढ़ी क्षेत्र में भी करीब 6000 वर्ग मीटर जमीन पर कच्ची सड़क बनाकर और चिनाई कर

प्लॉटिंग की जा रही थी। प्राधिकरण ने इन दोनों मामलों में पहले ही ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए थे, जिनके अनुपालन में मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की गई। प्रवर्तन टीम ने कॉलोनी में बनाई गई सड़कें, बाउंड्री वॉल, साइट ऑफिस और अन्य अवैध निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया।

कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजर और निर्माणकताओं ने भारी विरोध भी जताया, लेकिन पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई। ध्वस्तीकरण के समय मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन 5 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। अगर आप चाहें तो मैं इसी खबर के लिए एक और ज्यादा दमदार फ्रंट पेज स्टाइल हेडलाइन और 2झ3 सबहेडिंग भी बना सकता हूँ, जिससे यह राष्ट्रीय शिखर में और ज्यादा प्रभावी लगे।

डीएम की अध्यक्षता में हुई मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका (विकास से सम्बंधित) की मासिक प्रगति रिपोर्ट को लेकर समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में सम्बंधित विभागीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने उनका स्पष्टीकरण प्राप्त करने एवं भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न होने की चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने खराब रैंक (बी, सी व डी) लाने वाले विभागों से स्पष्टीकरण मांगा व दिये गये लक्ष्यों के सापेक्ष कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी, आयुष्मान कार्ड, सौर ऊर्जा, किसानों से सम्बंधित योजना, पशुपालन, छात्रवृति, आरटीई, पर्यटन सहित ग्राम्य विकास को मुख्यत देखते हुए सरकार द्वारा संचालित सभी विभागों

की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की व बेहतर सुधार हेतु निर्देशित किया। उन्होने आईजीआरएस पर असंतोष फीडबैक के बारे में विस्तार से चर्चा की और फीडबैक को सही करने की दिशा में कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने आरटीई के तहत लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने हेतु बेहतर प्लानिंग के तहत कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने कहा कि विकास और जनहित की प्रत्येक योजनाओं को शतप्रतिशत धरा पर उतारा जाएं। प्रत्येक पात्र जन को योजनाओं का लाभ दिलाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी हैं। बैठक में सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बुढ़ाना चेयरमैन उमा त्यागी ने ओपन जिम का किया उद्घाटन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे की मास्टर कॉलोनी स्थित अग्रसेन पार्क में नगर पंचायत द्वारा बनाए गए ओपन जिम का सोमवार को चेयरमैन उमा त्यागी व सभासदों ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर चेयरमैन उमा त्यागी ने कहा कि ओपन जिम बनने से युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। अब नगरवासी पार्क में टहलने के साथ साथ नियमित व्यायाम भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि कस्बे के लोग इस सुविधा का भरपूर लाभ उठाएंगे और स्वास्थ्य को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे। स्वस्थ समाज ही मजबूत और खुशहाल समाज की नींव होता है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत का प्रयास है कि बुढ़ाना के विकास और जनता की सुविधाओं के लिए लगातार ऐसे कार्य किए जाते रहें। इस दौरान चेयरमैन उमा त्यागी ने महावीर तिराहे से पुराने बस अड्डे तक बनने वाली मॉडल रोड के निर्माण कार्य का भी फीता काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सभासद नियम पंवार, इमरान कुरैशी, नसीम सिद्दीकी, सुनीता, सलीम कुरैशी, राशिद मंसूरी, प्रवीण कुमार, लक्ष्मण चौहान, संयम पंवार, व्यापारी नेता राजेश संगल, बालकिशोर त्यागी, प्रताप त्यागी, रवि वर्मा, अंकुर त्यागी, तनवीर कुरैशी, दीपक प्रजापति, वेदपाल ठेकेदार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक अमित कुमार शर्मा का पैतृक गाँव में स्वागत

हापुड़ (शिखर समाचार)। राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षक अमित कुमार शर्मा का उनके पैतृक गाँव कस्तला कासमाबाद में ग्रामीणों द्वारा स्वागत और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गाँव पहुंचने पर लोगों ने फूल मालाएं पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ. सुशील कुमार शर्मा ने कहा कि अमित कुमार शर्मा ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने नवाचार, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों से जनपद हापुड़ का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है। नवीन पंडित दस्तोई ने कहा कि उनकी उपलब्धि पूरे गाँव के लिए गर्व का विषय है और यह युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सुनील शर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनका समर्पण और मेहनत अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायक है। धीरज शर्मा ने कहा कि गाँव की मिट्टी से निकलकर प्रदेश स्तर पर पहचान बनाना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। प्रधानाचार्य हेमंत शर्मा ने कहा कि

शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है और अमित कुमार शर्मा ने अपने कार्यों से सिद्ध किया है कि समर्पण और मेहनत से बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। अपने संबोधन में अमित कुमार शर्मा ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं बल्कि उनके माता-पिता, गुरुजनों और विद्यार्थियों का भी सम्मान है। उन्होंने कहा कि शिक्षक का दृष्टिकोण बहुआयामी होता है और शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि बच्चों के चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में ठाकुर नगेंद्र सिंह (अनवरपुर), नानक चंद शर्मा, मोहन सिंह मादरे, जयभगवान शर्मा (प्रधान रामपुर), सुशील, सुदेश शर्मा, महिपाल सिंह आर्य, बिजेंद्र तोमर, विनोद शर्मा, अनुराग शर्मा, अनुज शर्मा, शिवकुमार, महेश कुमार शर्मा, अमरनाथ शर्मा, मेजर मुखवीर सिंह, प्रणव शर्मा, पवन शर्मा, गौरव शर्मा, कुलदीप शर्मा, नीरज शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में कार्रवाई की मांग

मुरादनगर (शिखर समाचार)। योगी आदित्यनाथ की माताजी के संबंध में सोशल मीडिया पर की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में हिन्दू युवा वाहिनी के कार्यकताओं ने सहायक पुलिस आयुक्त, कविनगर को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। कार्यकताओं ने बताया कि बिहार निवासी सलीम नामक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माताजी के प्रति आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की गई है। इस टिप्पणी को लेकर हिन्दू समाज में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि इस प्रकार की टिप्पणी सामाजिक मयार्दाओं का उल्लंघन है और इससे समाज में आक्रोश तथा असंतोष की भावना उत्पन्न हो सकती है। हिन्दू युवा वाहिनी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष आयुष त्यागी काकड़ा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से मांग की कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस तरह की अमर्यादित और भड़काऊ टिप्पणी करने का साहस न कर सके। इस अवसर पर हिन्दू युवा वाहिनी के ब्लॉक अध्यक्ष बबलू बंसल, अनिल तोमर, शिव कुमार सैनी, धर्मेंद्र चौधरी, सचिन दुबे, टिंकू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वारंट के आधार पर खतौली पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। थाना खतौली पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वसीम और शाहआलम पुत्रगण जफरयाब निवासी ग्राम नंगला रुद, ओमेंद्र पुत्र दीपचंद निवासी गांव अंतवाड़ा तथा कासिम उर्फ कला निवासी कस्बा खतौली शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार इन सभी के खिलाफ अलग अलग मामलों में न्यायालय से वारंट जारी किए गए थे। थाना खतौली पुलिस टीम ने दबिश देकर चारों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में दरोगा नरेश, दरोगा तेजवीर सिंह, दरोगा ललित तोमर तथा पुलिस टीम के अन्य कर्मी शामिल रहे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया।

अधिवक्ता परिषद ब्रज प्रांत ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर किया महिला अधिवक्ता सम्मेलन का आयोजन

हापुड़ (शिखर समाचार)। अधिवक्ता परिषद ब्रज प्रांत की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद लॉ कॉलेज में महिला अधिवक्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ की न्यायमूर्ति बबीता रानी ने परिसर में पौधरोपण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायमूर्ति बबीता रानी, भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के भारतीय विधि आयोग की सचिव अंजू राणा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मिताली गोविंद राव तथा प्रोफेसर रमा दत्त ने दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति बबीता रानी ने वैदिक काल, मुगल काल और देश की स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए स्वतंत्रता के बाद महिलाओं की स्थिति और उनके विकास की दिशा पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं न्यायिक, राजनीतिक, सामाजिक और पारिवारिक सभी क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। साथ ही अधिवक्ता परिषद द्वारा समाज में किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। भारतीय विधि आयोग की सचिव अंजू राणा ने महिलाओं और पुरुषों के बीच असमानता के मुद्दे पर चर्चा करते हुए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का उल्लेख किया तथा महिलाओं के उत्थान के लिए आवश्यक प्रयासों पर अपने विचार व्यक्त किए। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मिताली गोविंद राव ने कहा

कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति तभी संभव है जब समाज में महिलाओं की उन्नति सुनिश्चित हो। उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा महिलाओं के अधिकारों के लिए किए गए कार्यों और उच्चतम न्यायालय द्वारा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए दी गई महत्वपूर्ण विधिक व्यवस्थाओं पर भी प्रकाश डाला। प्रोफेसर रमा दत्त ने समाज और परिवार में महिलाओं के महत्व तथा वर्तमान समय में उनकी भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। अधिवक्ता सारिका त्यागी, शुचि शर्मा और कार्यक्रम की संचालक गीता रानी सिंहल ने बताया कि कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अधिवक्ता नेहा मित्तल, बीएएलएलबी की छात्रा वैशाली सिंह, प्रियांशी जैन तथा एलएलबी की छात्राएं स्वाति निगम और स्वाति शर्मा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्रज प्रांत के उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह तोमर और जिलाध्यक्ष शिवमंगल लाल ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट आभा, जेजे बोर्ड की अध्यक्ष साधना सिंह, डॉ. स्वाति गुप्ता, डॉ. पायल गुप्ता, अधिवक्ता सिमरन शर्मा, विपिन त्यागी, प्रमोद कुमार त्यागी, कमल सिंह, पदम सिंह, चंद्रमोहन, विचित्र शर्मा, डॉ. विपिन गुप्ता, अनोद श्रीवास्तव, अजय सिंह तोमर, बीनू जैन, माधुरी शर्मा, विमल प्रजापति, विकास त्यागी, सतेंद्र गौड़, बलराम तोमर, दीपक बाबू सहित अनेक अधिवक्ता व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय जिला पंचायत शामली

पत्रांक: 1156/जि0पं0शा0/2025-26 **आवश्यक सूचना** दिनांक: 07.03.2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि जिला पंचायत शामली द्वारा वर्ष 2025–26 के विभव एवं सम्पत्ति कर का निर्धारण किया जाना है। निम्नलिखित कार्यक्रमानुसार अंकित निर्धारित तिथि एवं स्थान पर करदाता अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला पंचायत द्वारा अनुमोदित कर सूची कार्यालय पर उपलब्ध है:

क्रं. सं.	विकास खण्ड का नाम	सुनवाई का स्थल	कर सुनवाई की तिथि एवं दिन
1.	ऊन	जू0हा0स्कूल, ऊन	13.03.2026 शुक्रवार, 23.03.2026 सोमवार
2.	कैराना	कार्यालय विकास खण्ड कैराना	16.03.2026 सोमवार, 24.03.2026 मंगलवार
3.	काँधला	कार्यालय विकास खण्ड काँधला	17.03.2026 मंगलवार, 25.03.2026, बुधवार
4.	शामली	पशु चिकित्सालय शामली	18.03.2026 बुधवार, 27.03.2026 शुक्रवार
5.	थानाभवन	प्रा0पा0 थानाभवन	19.03.2026 ब्रहस्पतिवार, 28.03.2026 शनिवार

निर्धारित तिथि के पश्चात आपकी किसी आपत्ति पर विचार नही किया जा सकेगा।

अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत, शामली।

जनता दर्शन: सीएम ने बच्चे से ली पढ़ाई की जानकारी, बोले- किताबें पढ़ो, सोशल मीडिया का प्रयोग कम करो

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए पीड़ितों मुख्यमंत्री ने मुलाकात की और उनका प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने जनपदों के प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर सुनिश्चित किया जाए। ह्यजनता दर्शनह्व में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के

बारे में जानकारी ली। एक बच्चे के पास पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ो। सोशल मीडिया का प्रयोग उतना ही करो, जितनी आवश्यकता है। इसका अत्यधिक प्रयोग घातक है। सीएम ने मोबाइल आदि का प्रयोग भी कम करने की सलाह दी।जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) व जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है। सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। उद्यमियों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।कासगंज से आए पीड़ित ने सीएम के समक्ष पुलिस से जुड़ी शिकायत रखी। पीड़ित ने अपने प्रकरण में कार्रवाई पर देरी की शिकायत की। इस पर सीएम योगी ने पुलिस अधीक्षक को मामले का संज्ञान लेते हुए समस्या के समयबद्ध निराकरण का निर्देश दिया। वहीं एक प्रकरण पारिवारिक विवाद से भी जुड़ा आया। अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायत पर सीएम सख्त हुए, उन्होंने कहा कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने पीड़ित को आश्वस्त किया कि नियमानुसार तत्काल कार्रवाई होगी।

मुरादाबाद में मिठाई बांटकर मनाई खुशी, सड़क पर होली के बाद मनी दिवाली

मुरादाबाद(एजेंसी)। भारत ने टी-20 विश्वकप के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद आकाश रेजिडेंसी वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों ने मिठाई वितरित कीं और आतिशबाजी कर जश्न मनाया। सोसायटी के उपाध्यक्ष राजू आंबेडकर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। यह जीत पूरे देश के लिए गर्व का पल है और सोसाइटी में भी उत्साह का माहौल है। इस दौरान अतुल चौधरी, जितेंद्र प्रसाद, सुनील कुमार दास, मुखिया, शौर्य वंश सिंह, हिमांशी सिंह, रजनी गुप्ता आदि मौजूद रहीं। टीम इंडिया की शानदार जीत पूरे देश के लिए गर्व का पल है। खिलाड़ियों ने फाइनल में अनुशासन, धैर्य और बेहतरीन रणनीति का परिचय दिया। ऐसी बड़ी जीत युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करती है और उन्हें आगे बढ़ने का हौसला देती हैफाइनल मुकाबले में भारत का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा। खिलाड़ियों ने पूरे टूनार्मेंट में शानदार खेल दिखाया और निर्णायक मैच में भी उसी लय को बरकरार रखा। इस जीत से युवा खिलाड़ियों में खेल के प्रति उत्साह और बढ़ेगा। टीम इंडिया की यह जीत शानदार टीमवर्क का नतीजा है। बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। ऐसे मुकाबले युवाओं को अनुशासन और रणनीति का तरीका सिखाते हैं। भारत ने फाइनल में संतुलित और आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाया। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में खिलाड़ियों का तालमेल देखने को मिला। इस तरह की जीत देशभर के युवाओं को क्रिकेट की ओर आकर्षित करती है। फाइनल में टीम इंडिया का प्रदर्शन देखने लायक रहा। खिलाड़ियों ने दबाव के बीच भी संयम और आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। ऐसी जीत युवा खिलाड़ियों को मेहनत करने और बड़े सपने देखने की प्रेरणा देती है।भारत की जीत से पूरे देश में जश्न का माहौल है। टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए मजबूत प्रतिद्वंद्वी को मात दी। इस जीत से स्थानीय स्तर पर भी क्रिकेट के प्रति उत्साह और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा। - मिर्जा दानिश आलम, क्रिकेट कोच फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टीम की इस जीत से युवा खिलाड़ियों को काफी प्रेरणा मिली है और हम भी अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए और मेहनत करेंगे।

हिंदू युवतियों का धर्मांतरण: संदिग्ध आतंकी से पूछताछ

आगरा(एजेंसी)। झारखंड की रांची सेंट्रल जेल से आगरा लाए गए 22 वर्षीय संदिग्ध आतंकी अयान जावेद से पुलिस और खुफिया एजेंसियों की टीम ने सात घंटे तक पूछताछ की। धर्मांतरण गिरोह के आतंकी कनेक्शन और फंडिंग के बारे में सवाल किए गए। मगर अयान ने ठीक से जवाब नहीं दिए। वह सिर्फ अपने धर्म के बारे में ही बोलता रहा। पता चला है कि वह आगरा के आरोपी रहमान कुरैशी और गोवा की आयशा के संपर्क में था। सदर की सगी बहनों के धर्मांतरण में कश्मीरी युवतियां भी शामिल थीं। एक युवती को कश्मीर भी बुलाया गया था। धर्म बदलने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस को पता चला था कि पाकिस्तान सहित खाड़ी देशों से फंडिंग की जा रही थी। धर्मांतरण के लिए आतंकी कनेक्शन का भी पता चला। इसके बाद ही अयान जावेद पुलिस के टारगेट पर आया था। वह पहले से

ही देश विरोधी गतिविधियों के मामले में रांची जेल में बंद था। उसे बी वारंट पर पुलिस आगरा लेकर आई थी। अवैध धर्मांतरण के मामले में पुलिस ने झारखंड के धनबाद निवासी अयान जावेद को तीन दिन की रिमांड पर लिया है। रविवार सुबह 10 बजे पुलिस ने उसे कस्टडी में लेने के बाद पूछताछ शुरू कर दी। एटीएस और आईबी के अधिकारी भी पहुंचे। सात घंटे तक टीमों ने अलग-अलग पूछताछ की। सवाल किया गया कि गिरोह में कितने सदस्य हैं? फंडिंग कहां से हो रही है? नेटवर्क कहां तक है? इसके पीछे क्या मकसद है? युवतियों उनके बहकावे में कैसे आ जाती हैं? यह सब जानने की कोशिश की गई। सूत्रों के मुताबिक, अयान जावेद यही बोला कि धर्मांतरण का कोई गिरोह नहीं है। उसके धर्म को पढ़ने वाले खुद-ब-खुद उसे मानने लगते हैं। एक बार कोई शामिल हो जाता है तो वह नहीं जा पाता है। लोग एक-दूसरे से जुड़ते चले जाते हैं। आगरा के रहमान कुरैशी से उसका संपर्क था। उनकी बातचीत हुई थी। वह यूट्यूब पर वीडियो बनाकर डालता था। सूत्रों ने बताया कि अयान जावेद ने कई महत्वपूर्ण जानकारी खुफिया एजेंसियों को दी हैं। बताया कि उनका मकसद ज्यादा लोगों को जोड़ना है। गजबा-ए-हिंद के लिए किसी तरह की आतंकी घटना की जरूरत नहीं है। जितने लोगों को जोड़ते हैं वो उनके मजहब के लिए काम करेंगे। हथियार उठाने और डराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने एक दावा सेंटर बना रखा है। इसमें लोगों को धर्म के बारे में बताया जाता है। ब्रेनवॉश किया जाता है। अयान ने धर्म के बारे में सब कुछ बताया। मगर वो गिरोह या आतंकी कनेक्शन के बारे में नहीं बोला। बताया कि वह जेल भेजे गए रहमान कुरैशी और आयशा से किस तरह संपर्क में आया। उनको फंडिंग करने वाले लोग कौन हैं, यह सवाल पर भी वह बचता रहा।

यूपी में सूर्यकुमार के गांव में मनी दिवाली:दादा भावुक हुए, फैंस नाचे; टी-20 वर्ल्ड कप जीत पर रातभर जश्न

लखनऊ (एजेंसी)। टीम इंडिया ने अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को हराकर लगातार दूसरा टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया। इंडिया के मैच जीतते ही पूरे यूपी में जमकर आतिशबाजी की गई। काशी और आगरा में दिवाली मनाई गई। आगरा में फैंस ने तिरंगा लहराकर जश्न मनाया। डांस भी किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव के पैतृक गांव हथौड़ा (गाजीपुर) में दीवाली जैसा जश्न मना। न्यूजीलैंड के हर विकेट पर परिवार ने पटाखों के साथ 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। चैंपियन बनने के बाद जब सूर्यकुमार ने पिच की मिट्टी को माथे पर लगाया तो दादा विक्रमा यादव भावुक हो गए। नम आंखों से पोते की तस्वीर चूमने लगे। इससे पहले, पूरे मैच के दौरान फैंस का जोश हाई रहा। क्रिकेट प्रेमियों के बीच

जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लखनऊ में प्रोजेक्टर पर, तो मेरठ-काशी में सिनेमा हॉल में मैच दिखाया गया। पूर्वांचल में मैच के दौरान बिजली न काटने के निर्देश दिए गए थे। आदेश में कहा गया था कि मैच के दौरान कहीं भी बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए। इससे पहले टीम इंडिया को विश्व विजेता बनाने के लिए यूपी के मंदिरों में हवन-पूजन किया गया। अयोध्या में श्रद्धालुओं ने जाप और प्रार्थना की। काशी में गंगा घाटों पर तिरंगा लहराकर आरती की। कानपुर के तुलसी नगर, काकादेव में क्रिकेट फैंस ने विशेष पूजा की। बागेश्वर बाबा ने कहा - कुछ दिन पहले लोग कह रहे थे यह मैच जहां हो रहा वह स्टेडियम पनौती है। लेकिन आज नीति और रणनिती ने दिखाया कुछ पनौती नहीं है। भारत की बड़ी जीत के बाद जिले में जश्न का माहौल देखने को मिला। महोबा के चरखारी क्षेत्र स्थित गुमान बिहारी मंदिर परिसर में देशभक्तों ने ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों के साथ खुशी का इजहार किया। जश्न के मौके पर चरखारी विधायक ब्रजभूषण राजपूत भी मौजूद रहे। उन्होंने समर्थकों और राष्ट्रप्रेमियों के साथ देशभक्ति गीतों पर जमकर नृत्य किया और भारत की जीत की खुशी साझा की। भारत की जीत पर गोंडा में लोगों ने गोंडा अयोध्या हाईवे पर जमकर आतिशबाजी की है। भारत की जीत को लेकर के जस मनाया है। गोंडा में लोगों द्वारा की जा रही आतिशबाजी के चलते 10 मिनट तक गोंडा और अयोध्या मार्ग पर जाम लग रहा लोग रुक करके इस आतिशबाजी को देख रहे थे। मेरठ के बेगमपुल चौराहे पर समर्थकों का हजूम जुटने लगा। देखते ही देखते इस कदर भीड़ उमड़ पड़ी कि दिल्ली रोड पर लगभग 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

लखनऊ में काले कपड़े पहनकर शियाओं का जुलूस

19वीं रमजान का मातम; सड़कों पर हजारों अकीदतमंद, ताबूत छूने की होड़

लखनऊ (एजेंसी)। अकीदत और नम आंखों से 19वीं रमजान पर गिलीम (कंबल के ताबूत) का जुलूस निकाला गया। 4 किलोमीटर लंबे जुलूस में शिया समुदाय के करीब 25 हजार लोग शामिल हुए। पुरुष-महिलाओं और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी काले कपड़े पहने नजर आए। उनके बीच ताबूत को एक नजर देखने, छूने और चूमने की होड़ मची रही। जुलूस निकलने से पहले सआदतगंज स्थित कूफा मस्जिद में मजलिस हुई। नमाज अदा की गई। शिया समुदाय के लोगों ने दुआ मांगी। फिर जुलूस शुरू हुआ। जुलूस टूरियागंज, सरकटा नाला, बिल्लौचपुरा होते हुए चौक स्थित पाटा नाला इमामबाड़ा तकि जैदी पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस में सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। RAF और उफ्ढ्रऋ ने मोर्चा संभाले रखा। ड्रोन और CCTV कैमरों से निगरानी हुई। जिन रास्तों से जुलूस निकला, वहां इमारतों की छत पर पुलिसकर्मी तैनात रहे। बता दें कि 19वीं रमजान को हजरत अली जब नमाज के लिए मस्जिद पहुंचे तो उनके ऊपर पहला तलवार से हमला हुआ था। इसके बाद 21वें रमजान को हजरत अली शहीद हो गए थे। उसी घटना को याद करते हुए जुलूस निकाला जाताजुलूस टूरियागंज, सरकटा नाला, बिल्लौचपुरा होते हुए चौक स्थित पाटा नाला इमामबाड़ा तकि जैदी पहुंचकर समाप्त हुआ। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- 1400 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सन 40 हिजरी में हजरत अली जब नमाज के लिए इराक की मस्जिद पहुंचे थे तो उनके ऊपर हमला हुआ था। सिर के ऊपर चोट लगी थी। इसके बाद 21 रमजान को हजरत अली शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा- हजरत अली के अनुसार अगर लोग चलें तो कोई भी दुनिया में भूख ना रहे। कोई भी

व्यक्ति बिना कपड़ों के या बिना मकान के ना रहे। पूरी दुनिया से अपील करना चाहता हूं कि अगर आतंकवाद के विरुद्ध आवाज उठाना है तो पहले उस आतंकी हमले का विरोध होना चाहिए जिस में हजरत अली की शहादत हुई।जुलूस अकबरी गेट के पास पहुंच गया है। मातम मनाते हुए लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। ताबूत को छूने की होड़ मची है। अकीदतमंद जुलूस के आगे हजरत अब्बास का आलम लेकर चल रहे हैं। लोग मातम मना रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर घुड़सवार पुलिस भी तैनात है। घुड़सवार पुलिस जुलूस के 1 किलोमीटर आगे चल रही है। जुलूस के इंतजार में जगह-जगल लोग बैठे हैं। बिल्लौचपुरा चौराहे पर काले कपड़े पहनकर लोग जुलूस का इंतजार कर रहे हैं। मस्जिद कूफा से जुलूस बाहर निकल रहा है। ताबूत चूमने के लिए अकीदतमंदों में होड़ लगी है। लगभग 25 हजार की भीड़ है। सभी ताबूत को चूमने, छूने और देखने लिए संघर्ष कर रहे हैं। डीसीपी पश्चिम

विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि जुलूस में 25000 लोग एक साथ चलते हैं। शिया समुदाय का बेहद महत्वपूर्ण जुलूस है। पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बाहर से फोर्स बुलवाई गई है। 10 एडिशनल एसपी और 32 डिप्टी एसपी तैनात किए गए हैं। 500 पुलिसकर्मी बाहर से लगाए गए हैं। 12 कंपनी पीएसी दो कंपनी RAF और CRPF की है। पुलिस कमिश्नरेट की अलग से फोर्स लगाई गई है। 91 जगह पर रूफटॉप ड्यूटी लगी है, जहां छत के ऊपर सें निगरानी हो रही है। 52 संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ड्रोन कैमरे से निगरानी हो रही है। महत्वपूर्ण चौराहों पर इंस्पेक्टर और एसीपी को तैनात को किया गया है। जुलूस को बॉक्स में लेकर चला जा रहा है, जिसमें आगे पीछे अधिकारी तैनात है। जुलूस में हजारों की संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। लोग ताबूत को छूने और देखने के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे हैं।

खेत में काम कर रहे किसान पर गुलदार का जानलेवा हमला, ट्रैक्टर ट्रॉली पर चढ़कर बचाई जान

बिजनौर (शिखर समाचार)। अफजलगढ़ क्षेत्र के गांव मुरलीवाला में दिनदहाड़े गुलदार के हमले से हड़कंप मच गया। खेत में काम कर रहे एक किसान पर घात लगाए बैठे गुलदार ने अचानक हमला कर दिया, जिससे किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए किसान ने पास खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली पर चढ़कर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के गांव मुरलीवाला निवासी किसान ओमप्रकाश सोमवार को अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान खेत के पास झाड़ियों में छिपे गुलदार ने अचानक उन पर हमला कर दिया। गुलदार के हमले से ओमप्रकाश लहूलुहान हो गए और कुछ पल के लिए घबरा गए। अचानक हुए इस हमले के बावजूद ओमप्रकाश ने हिम्मत नहीं हारी और पास में खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली की ओर दौड़ लगा दी। उन्होंने तेजी से ट्रॉली पर चढ़कर खुद को सुरक्षित कर लिया। किसान के शोर मचाने पर आसपास खेतों में काम कर रहे अन्य लोग भी मौके की ओर दौड़ पड़े। लोगों को अपनी ओर आता देख गुलदार जंगल की दिशा में भाग निकला। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण घायल किसान को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा है। दिनदहाड़े हुए इस हमले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए गुलदार के पदचिह्नों की जांच की। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि इलाके में जल्द पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

मीटर लगाने के नाम पर 10 हजार की रिश्वत लेते संविदा लाइनमैन गिरफ्तार

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। थाना क्षेत्र के गांव ढुढार स्थित बिजली घर पर तैनात एक संविदा लाइनमैन को एंटी करप्शन टीम ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी कर्मचारी पर एक ग्रामीण से मीटर लगाने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है। गांव ढुढार निवासी शिवम ने बताया कि उसने अपना बकाया बिजली बिल जमा कर दिया था और नया बिजली कनेक्शन लेने के लिए मीटर लगवाना चाहता था। इसी दौरान बिजली घर में तैनात संविदा लाइनमैन रामबीर सिंह, निवासी गढ़ी रामकौर ने मीटर लगाने के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। आरोप है कि पैसे न देने पर काम न करने की धमकी भी दी गई। रिश्वत की मांग से परेशान होकर शिवम ने एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया और अपने मोबाइल में रिकॉर्ड की गई ऑडियो भी टीम को उपलब्ध कराई। इसके बाद टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई। सोमवार को प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में एंटी करप्शन टीम ने ढुढार बिजली घर पर दबिश दी। जैसे ही आरोपी लाइनमैन रामबीर सिंह ने ग्रामीण से रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। इस कार्रवाई से बिजली घर में हड़कंप मच गया।

टीम आरोपी को गिरफ्तार कर थाना कांधला पहुंची, जहां उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि इस मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का भी पता लगाया जा सके। एंटी करप्शन टीम की इस कार्रवाई से क्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

ऑपरेशन सवेरा में कैराना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 40 लाख की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा अभियान के तहत थाना कैराना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 200 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के नेतृत्व तथा क्षेत्राधिकारी कैराना के पर्यवेक्षण में रविवार देर रात यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोनू उर्फ इनाम पुत्र नसीर, निवासी नई बस्ती काजी का बाग, कस्बा कैराना के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी काफी समय से अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त था और क्षेत्र में स्मैक की आपूर्ति करता था। बरामदगी के आधार पर थाना कैराना में आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े उसके फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की भी जांच की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गौरव चौहान, हेड कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल सचिन और कांस्टेबल भानू शामिल रहे। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करें और यदि कहीं भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों के बच्चों को मिलेगा रोजगार, वैधानिक अधिकार पर हुई अहम बैठक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा स्थित यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) कार्यालय में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट परियोजना से प्रभावित परिवारों के बच्चों को रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के चेयरमैन राकेश कुमार सिंह, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक के दौरान जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिन कृषक परिवारों ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण के लिए अपनी जमीन दी है, उनके बच्चों को रोजगार उपलब्ध कराना किसी प्रकार का उपकार नहीं बल्कि उनका वैधानिक और नैतिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी एयरपोर्ट निर्माण करने वाली कंपनी और सरकार दोनों की है कि प्रभावित परिवारों के युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए।

धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि जेवर क्षेत्र के किसानों ने प्रदेश और देश के विकास के लिए अपनी बहुमूल्य भूमि दी है, इसलिए यह जरूरी है कि उनके परिवारों के युवाओं को एयरपोर्ट और उससे जुड़ी परियोजनाओं में स्थानीय प्राथमिकता के आधार पर रोजगार के अवसर मिलें।

उन्होंने बताया कि इस विषय पर संबंधित अधिकारियों के साथ अंतिम चरण की सकारात्मक वार्ता हो चुकी है और जल्द ही इस दिशा में ठोस निर्णय सामने आने की उम्मीद है, जिससे प्रभावित परिवारों के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित हो सकें। जेवर विधायक ने कहा कि उनका प्रयास है कि जेवर क्षेत्र के किसान और उनके परिवार विकास की इस ऐतिहासिक परियोजना के वास्तविक भागीदार बनें, जिससे क्षेत्र में समृद्धि और रोजगार के नए अवसर पैदा हों।

पैर में फ्रैक्चर के इलाज के दौरान मौत, निजी अस्पताल में हंगामा

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर के गांव कुरैब निवासी एक व्यक्ति की पैर के फ्रैक्चर के इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो जाने से परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार गांव कुरैब निवासी बलबीर (45) रविवार को अपने घर की छत पर कुर्सी पर चढ़कर पंखा टांग रहे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह कुर्सी से नीचे गिर पड़े, जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। परिजन उन्हें उपचार के लिए जेवर कस्बे के एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें भर्ती कर लिया और सोमवार सुबह ऑपरेशन करने की बात कही। आरोप है कि सोमवार सुबह डॉक्टर बलबीर को ऑपरेशन के लिए ले गए और कुछ देर बाद परिजनों को उनकी मौत की सूचना दे दी। अचानक मौत की खबर सुनते ही परिवार के लोग और ग्रामीण आक्रोशित हो गए और अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने गलत इंजेक्शन लगा दिया या दवा की ओवरडोज दे दी, जिससे बलबीर की मौत हो गई। हंगामे के चलते कुछ देर के लिए सड़क पर जाम की स्थिति भी बन गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम मुख्यालय पर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी पहनेगे वर्दी, नगर आयुक्त ने की भेंट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय में कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी अब वर्दी में दिखाई देंगे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने उन्हें सोमवार को नगर निगम मुख्यालय परवर्दी भेंट की। पुरुष कर्मचारियों के लिए सफारी सूट और महिला कर्मचारियों के लिए सूट की व्यवस्था कराई गई है। नगर आयुक्त ने उनके परिवार का हाल-चाल जानते हुए उनके लिए कार्यस्थल पर सुविधा बनाए रखने के लिए आदेश संबंधित अधिकारी को दिए। लगभग 180 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वर्दी भेंट की गई, जिसमें अनुचर तथा गनमैन भी शामिल है। गाजियाबाद नगर निगम कर्मचारी संघ के पदाधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे, जिसमें अनुराग नागर अध्यक्ष, मयूर गिरधर उपाध्यक्ष, महामंत्री महेंद्र, उप मंत्री भीम व अन्य उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति में हीपांचों जोन तथा नगर निगम मुख्यालय में कार्य करने वाली स्थाई चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वर्दी दिलवाई गई। नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ने बताया कि नगर आयुक्त के नेतृत्व में सभी कर्मचारियों का तथा उनके परिवार जनों का भी ध्यान रखा जा रहा है। समय से वेतन मिल रहा है तथा कार्य स्थलों को भी सुविधाजनक बनाया जा रहा है। ऐसा महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए सभी निगम अधिकारियों का धन्यवाद है।

बिजनौर पुलिस ने किया अंतर्राज्यीय शस्त्र गिरोह का पदार्फाश, 17 अवैध असलहे और उपकरण बरामद, 8 गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के स्योहारा, धामपुर और नूरपुर थाना क्षेत्रों की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार बनाने और उनकी सप्लाई करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत आठ शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 6 पिस्टल, 11 तमंचे और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रकाश कुमार ने बताया कि होली के दिन नगीना क्षेत्र में डॉक्टर राजकुमार की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गिरफ्तार किए गए शूटर विकास उर्फ छोटू ने पूछताछ में खुलासा किया था कि उसने हत्या में इस्तेमाल किया गया तमंचा धामपुर क्षेत्र के तिवड़ी निवासी आर्यन उर्फ राजन से खरीदा था। पुलिस ने जब इस मामले की कड़ियों को जोड़ते हुए जांच आगे बढ़ाई तो अमरोहा जनपद के नौगावां सादात निवासी आरिफ का नाम मुख्य सप्लायर के रूप में सामने आया।

इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर आरिफ को नूरपुर क्षेत्र में उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह हथियारों की डिलीवरी देने पहुंचा था। आरिफ की निशानदेही पर पुलिस ने स्योहारा, धामपुर और नूरपुर में ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस दौरान स्योहारा निवासी जुलफिकार, शादमान और नवीन, धामपुर निवासी विनीत, शमीम माइकल तथा नूरपुर निवासी ललित, सीमांत और आरिफ को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 32 बोर की 6 पिस्टल और 315 बोर के 11 तमंचे बरामद किए गए। मुख्य आरोपी आरिफ की निशानदेही पर पुलिस ने अवैध शस्त्र बनाने की एक फैक्ट्री पर भी छापा मारा। यहां से ड्रिल मशीन, भट्टी और अन्य औजार बरामद किए गए, जिनका इस्तेमाल हथियार बनाने में किया जाता था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह गिरोह लंबे समय से अवैध हथियार बनाकर विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई कर रहा था। अब पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की तलाश कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि अब तक कितने हथियार कहां कहां सप्लाई किए गए हैं।

महिला दिवस पर शामली की बेटी स्वाति रोझा पुलिस मुख्यालय लखनऊ में सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों के परिवारों की प्रेरणादायक महिलाओं और बेटियों को सम्मानित करने के क्रम में जनपद शामली की बेटी स्वाति रोझा को पुलिस मुख्यालय लखनऊ में सम्मानित किया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में वामा सारथी की अध्यक्ष द्वारा उपनिरीक्षक कर्मबीर सिंह की पुत्री स्वाति रोझा को उनके साहसिक एवं प्रेरणादायक कार्यों के लिए सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। स्वाति रोझा एक लोकप्रिय यूट्यूबर, मोटोव्लॉगर और फिजियोथेरेपिस्ट हैं। उनके यूट्यूब चैनल पर लगभग 4.5 लाख सब्सक्राइबर हैं। उन्होंने मोटरसाइकिल से देश के 12 ज्योतिर्लिंगों की धार्मिक यात्रा पूरी कर साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। उनकी यह यात्रा युवाओं, विशेषकर महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है। स्वाति रोझा की इस साहसिक यात्रा से प्रभावित होकर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी उनसे मुलाकात की थी और अपने निजी खर्च पर उन्हें आंध्र प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा कराई थी। स्वाति रोझा की इस उपलब्धि से पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है। पुलिस अधीक्षक ने भी स्वाति को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सहारनपुर में पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज, डीआईजी ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

सहारनपुर (शिखर समाचार)। उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती 2025 की लिखित परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में सोमवार को सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अभिषेक सिंह ने जनपद के एक परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बताया गया कि 14 और 15 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा के दृष्टिगत डीआईजी अभिषेक सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर, पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक यातायात (नोडल अधिकारी) तथा अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ थाना रामपुर मनिहारन क्षेत्र स्थित गोचर महाविद्यालय परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, परीक्षा कक्षों की तैयारियों तथा ड्यूटी में लगाए गए पुलिस बल की तैनाती का गहन निरीक्षण किया। डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा को पूर्णत: निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाए। इसके लिए परीक्षा केंद्र के आसपास सघन चेकिंग अभियान चलाने, यातायात व्यवस्था सुचारू रखने तथा पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस प्रशासन का कहना है कि परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही सुनिश्चित की जा रही हैं।

मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. रेनूका जैन गुप्ता ने गाजियाबाद पासपोर्ट कार्यालय में शिशु देखभाल कक्ष का किया उद्घाटन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिला सशक्तिकरण और कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय परिसर में महिला आवेदकों और महिला कार्मिकों की सुविधा के लिए शिशु देखभाल कक्ष का शुभारंभ किया गया। इस कक्ष का उद्घाटन आयकर विभाग गाजियाबाद की मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. रेनूका जैन गुप्ता (भारतीय राजस्व सेवा) द्वारा किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. रेनूका जैन गुप्ता ने कार्यालय की महिला कार्मिकों को उनके उत्कृष्ट कार्य और योगदान के लिए सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही हैं तथा प्रशासनिक और सरकारी संस्थानों में भी उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने महिला कर्मचारियों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी पूरे समर्पण और लगन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यालय की महिला कार्मिकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कार्यस्थल पर उन्हें सकारात्मक, सहयोगात्मक और सुरक्षित वातावरण मिलता है, जिससे वे अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि शिशु देखभाल कक्ष की स्थापना से विशेष रूप से उन महिला कर्मचारियों और महिला आवेदकों को बड़ी सुविधा मिलेगी, जो छोटे बच्चों के साथ कार्यालय आती हैं। इस मौके पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी अनुज स्वरूप (भारतीय विदेश सेवा) ने कहा कि विदेश मंत्रालय के दिशा निदेर्शों के अनुरूप क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद महिलाओं के प्रति संवेदनशील कार्य संस्कृति विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि शिशु देखभाल कक्ष की स्थापना इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे महिला कर्मचारियों और महिला आवेदकों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

अनुज स्वरूप ने बताया कि वर्तमान समय में कार्यालय के कुल कर्मचारियों में महिला कार्मिकों की भागीदारी पहले की तुलना में बढ़कर 20 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो संस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि कार्यालय का प्रयास है कि भविष्य में भी महिलाओं की भागीदारी और सुविधाओं को और अधिक बढ़ाया जाए, ताकि वे बेहतर वातावरण में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

कार्यक्रम का उद्देश्य केवल महिला दिवस मनाना ही नहीं बल्कि कार्यस्थल पर महिलाओं की जरूरतों और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक पहल को आगे बढ़ाना भी रहा। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की।

गन्ना पिराई सत्र समाप्त होने तक रोरी रेलवे फाटक अंडरपास निर्माण स्थगित करने की मांग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। रोरी रेलवे फाटक पर प्रस्तावित अंडरपास निर्माण कार्य को गन्ने का पिराई सत्र समाप्त होने तक स्थगित करने की मांग को लेकर किसानों ने सोमवार को तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। किसानों ने इस संबंध में उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्या से अवगत कराया।कादराबाद और रोरी सहित आसपास के कई गांवों के किसान एकत्र होकर तहसील मुख्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। किसानों का कहना था कि उन्हें सूचना मिली है कि रोरी रेलवे फाटक पर जल्द ही अंडरपास के निर्माण का कार्य शुरू होने वाला है। किसानों ने मांग की कि मोदी शुगर मिल का गन्ना पिराई सत्र समाप्त होने के बाद ही इस अंडरपास का निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। किसानों ने बताया कि वर्तमान में हापुड़ रोड स्थित राज चौक रेलवे फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा मोहिउद्दीनपुर रेलवे फाटक पर भी रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण जारी है। ऐसे में इन मार्गों पर पहले से ही भारी यातायात का दबाव बना हुआ है। यदि रोरी रेलवे फाटक पर भी अभी अंडरपास निर्माण शुरू कर दिया गया तो गन्ना ढुलाई में किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। किसानों की ओर से उप जिलाधिकारी अजीत सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। उप जिलाधिकारी ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी मांग को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा दिया जाएगा और इस पर आवश्यक कार्रवाई कराई जाएगी। प्रदर्शन करने वालों में परमेंद्र आर्य, पप्पी नेहरा, मनु चौधरी, प्रकाश चौधरी, राजपाल सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे।

नगीना में झोलाछाप के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग का अभियान, 13 नर्सिंग होम को नोटिस, 4 संचालक फरार

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने नगीना क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम और पैथोलॉजी लैब के खिलाफ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 13 नर्सिंग होम संचालकों को नोटिस जारी किए गए, जबकि चार नर्सिंग होम संचालक अपने संस्थान बंद कर फरार हो गए। एक पैथोलॉजी लैब संचालक भी लैब बंद कर मौके से गायब हो गया। जानकारी के अनुसार नगीना में आयोजित तहसील दिवस के दौरान पत्रकारों ने जिलाधिकारी जसजीत कौर से नगर के हाईवे और गली गली में अवैध रूप से चल रहे नर्सिंग होम और पैथोलॉजी लैब की जांच कराने तथा फर्जी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी, तहसील प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए थे।

सोमवार को जिलाधिकारी के आदेश पर नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद देशवाल तथा नायब तहसीलदार राजकुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग, तहसील और पुलिस की संयुक्त टीम ने नगर के विभिन्न नर्सिंग होम और पैथोलॉजी लैब पर छापेमारी की। इस दौरान आईजेबी चैरिटेबल हॉस्पिटल, मुदित नर्सिंग होम, अलका हेल्थ केयर सेंटर, आशीर्वाद ट्रॉमा एंड मेटरनिटी हॉस्पिटल, लीलावती नर्सिंग होम, रौनक नर्सिंग होम, लाइफ लाइन आयुष्मान, ओशो मित्र मेटरनिटी होम, साहू राम स्वरूप दंत चिकित्सालय, नेशनल हॉस्पिटल, एनएचसी हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर, नवजीवन हॉस्पिटल, राधा हेल्थ केयर सेंटर, सिरोही हॉस्पिटल, अंसार पाइल्स क्लिनिक, यावर क्लिनिक, राठी हॉस्पिटल, गुड हेल्थ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, आयुष्मान हॉस्पिटल, जीवन धारा आईवीएफ हॉस्पिटल, रतन हॉस्पिटल, लाइफ लाइन नर्सिंग होम, चंद्र नर्सिंग होम, अल्हम्दु नर्सिंग होम, जफर हॉस्पिटल और शिव क्लिनिक सहित कई संस्थानों की जांच की गई।

छापेमारी के दौरान चार नर्सिंग होम संचालक अपने संस्थान बंद कर मौके से फरार हो गए, जबकि फहीम पैथोलॉजी लैब का संचालक भी लैब बंद कर गायब हो गया। वहीं सुमित्रा नर्सिंग होम के संचालक डॉ. नीरज कुमार के एक डॉक्टर की हत्या के आरोप में जेल में होने के कारण नर्सिंग होम को सील कर दिया गया है।

नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद देशवाल ने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा नगर के नर्सिंग होम और पैथोलॉजी लैब की जांच की गई। चार नर्सिंग होम और एक पैथोलॉजी लैब संचालक मौके से फरार पाए गए। शेष 13 नर्सिंग होम संचालकों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर अपने सभी दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से नगर में अवैध रूप से चिकित्सा कार्य कर रहे झोलाछाप और नर्सिंग होम संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

12 साल से नहीं बने बच्चों के जाति प्रमाण पत्र, अब न्याय के लिए परिवार करेगा लखनऊ तक पैदल यात्रा

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव कानीगढ़ी निवासी एक व्यक्ति पिछले 12 वर्षों से अपने बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहा है, लेकिन अभी तक प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए। आरोप है कि बार बार गुहार लगाने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। अब परेशान होकर पीड़ित परिवार ने लखनऊ तक पैदल जाकर मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाने का निर्णय लिया है। गांव कानीगढ़ी निवासी सुंदर सिंह ने बताया कि वह अगरिया जाति से हैं और अपने चारों बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए करीब 12 साल से तहसील और जिला कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि उनके दादा दादी, पिता और स्वयं उनका जाति प्रमाण पत्र बना हुआ है, इसके बावजूद भी बच्चों के प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि जाति प्रमाण पत्र न होने के कारण बच्चों की पढ़ाई में भी कई तरह की दिक्कतें आ रही हैं। स्कूल और अन्य शैक्षणिक कार्यों में इसकी जरूरत पड़ती है, लेकिन अधिकारियों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सुंदर सिंह ने बताया कि उन्होंने करीब एक माह पहले ही अधिकारियों को इस बात की जानकारी दे दी थी कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह परिवार के साथ लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री से मिलकर न्याय की गुहार लगाएंगे। इसके बावजूद भी उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया। उन्होंने सोमवार को जिला कार्यालय पहुंचकर एक वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर साझा किया। अब वह मंगलवार को अपने परिवार के साथ जिला कार्यालय से लखनऊ तक पैदल यात्रा शुरू कर मुख्यमंत्री से मिलने और न्याय की गुहार लगाने के लिए रवाना हुए।

संपादकीय

अमेरिका इजरायल ईरान तनाव और धड़ाम हुआ शेयर बाजार : आगे की दिशा क्या होगी

मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव ने एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था को अनिश्चितता के दौर में धकेल दिया है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव की खबरों ने दुनिया भर के वित्तीय बाजारों को हिला दिया है। पिछले कुछ दिनों में अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों से लेकर एशियाई बाजारों तक तेज गिरावट देखने को मिली है। निवेशकों में भय और असमंजस का माहौल है, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग बढ़ती दिखाई दे रही है। यह स्थिति केवल किसी क्षेत्रीय संघर्ष का परिणाम नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन पर मंडरा रहे एक बड़े संकट का संकेत भी है।

मध्य पूर्व लंबे समय से दुनिया की ऊर्जा राजनीति का केंद्र रहा है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का सीधा असर तेल आपूर्ति और वैश्विक व्यापार पर पड़ता है। जैसे ही युद्ध या बड़े सैन्य टकराव की आशंका बढ़ती है, बाजार तुरंत प्रतिक्रिया देता है। निवेशक जोखिम से बचने के लिए शेयर बाजार से पैसा निकालकर सोना, डॉलर या अन्य सुरक्षित संपत्तियों में निवेश करने लगते हैं। यही कारण है कि हाल के दिनों में कई प्रमुख वैश्विक सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई है।

इस गिरावट का प्रभाव केवल अमेरिका या यूरोप तक सीमित नहीं है। एशियाई बाजार, जिनमें भारत भी शामिल है, इस अस्थिरता से अछूते नहीं रह पाए हैं। भारतीय शेयर बाजार ने भी उतार-चढ़ाव का दौर देखा है। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत मानी जाती है, लेकिन वैश्विक निवेशकों की मनोवृत्ति में बदलाव का असर यहां भी दिखाई देता है। विदेशी संस्थागत निवेशक जब जोखिम से बचने की रणनीति अपनाते हैं, तो वे उभरते बाजारों से पूंजी निकालने लगते हैं, जिससे बाजार में दबाव बढ़ जाता है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है। ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में से एक है। यदि युद्ध की स्थिति गंभीर होती है या तेल आपूर्ति बाधित होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर उन देशों पर पड़ेगा जो बड़ी मात्रा में तेल आयात करते हैं। भारत भी उनमें से एक है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ सकती है, परिवहन लागत में वृद्धि हो सकती है और आर्थिक विकास की रफ्तार पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि यह भी सच है कि शेयर बाजार अक्सर भावनाओं से संचालित होता है। कई बार शुरूआती घबराहट के कारण बाजार में तेज गिरावट आती है, लेकिन स्थिति स्पष्ट होने पर बाजार धीरे धीरे संभल भी जाता है। निवेशकों के लिए यह समय धैर्य और विवेक का है। इतिहास गवाह है कि बड़े भू राजनीतिक संकटों के बाद भी वैश्विक बाजारों ने समय के साथ खुद को संभाला है और नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि आगे क्या संभावना है। यदि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव सीमित दायरे में रहता है और कोई बड़ा युद्ध नहीं होता, तो बाजार में स्थिरता वापस आ सकती है। लेकिन यदि संघर्ष व्यापक रूप लेता है और क्षेत्रीय युद्ध में बदल जाता है, तो इसका असर लंबे समय तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है और दुनिया भर के बाजारों में अस्थिरता बनी रह सकती है। भारत के संदर्भ में देखें तो देश की आर्थिक नीतियां और मजबूत घरेलू मांग कुछ हद तक सुरक्षा कवच प्रदान करती हैं। सरकार लगातार बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रही है और विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक संकटों से पूरी तरह बच पाना संभव नहीं है। इसलिए आर्थिक प्रबंधन और नीति निर्माण में सतर्कता की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

~ मौलिक चिंतन ~

दूसरों को आईना दिखाने का शौक रखने वाले लोग, खुद आईने से नजरें चुराते हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

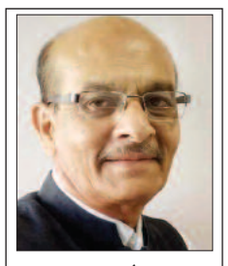

सनत जैन

रूस के राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन के हालिया बयान ने अंतर्राष्ट्रीय जगत की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है। सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था ह्लकानून के शासनह्व (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी। इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। जबकि पश्चिम के देश इसे ईरान की आक्रामक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देश मानते हैं, ईरान की गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। यही कारण है, मध्य पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय शांति व्यवस्था एवं राजनीति पर पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए पुतिन का यह प्रस्ताव कि पी5 के देश मिलकर वर्तमान स्थिति में एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय नियमों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें। रूस के राष्ट्रपति के इस बयान को अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है। विश्व की प्रमुख शक्तियां इस मुद्दे पर खुलकर चर्चा करती हैं। ऐसी स्थिति में सारी दुनिया के देशों में एक बेहतर संदेश और एकजुटता बनाने में मदद मिलेगी। जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, उनका पालन यदि कोई देश नहीं कर रहा है तो ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने की बाध्यता वैश्विक स्तर पर तैयार की जानी चाहिए। ताकि वैश्विक व्यवस्था का विश्वास एवं सुरक्षा को पुनः बहाल किया जा सके। यह समय की मांग है। महाशक्तियों का यह दायित्व है कि वह दुनिया के देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत कर सारी दुनिया में शांति बनाए रखना चाहती हैं या नहीं। पुतिन की यह चिंता जायज है। अमेरिका जैसे देश दादागिरी करके एक बार फिर जंगल राज की ओर आगे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। शक्ति संतुलन के आधार पर जिस तरह से दुनिया के देशों को मनमर्जी से हांका जा रहा है, उसके कारण एक बार फिर दादागिरी की नई विश्व व्यवस्था बन रही है। समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध वाले एक बार फिर हालात पैदा हो सकते हैं। अमेरिका और अन्य प्रमुख महाशक्तियों को विश्व के सभी देशों को स्पष्ट उत्तर देना ही होगा। वर्तमान स्थिति में जिस तरह के हालात बने हुए हैं सारी दुनिया के देश युद्ध की आशंका से जूझ रहे हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी के हालात बनने लगे हैं सारी दुनिया के देशों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आजादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मजबूती से उनके साथ खड़े रहे।

पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया ह्यबालहत्या रोकथाम गृहह्ल नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मजबूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमजोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मजबूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस जमाने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए ह्यसत्यशोधक समाजह्ल नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं। समाज का मकसद, जिसमें मुस्लिम, गैर-ब्राह्मण, ब्राह्मण और सरकारी अधिकारी मेंबर के तौर पर शामिल थे, महिलाओं, शूद्रों, दलितों और दूसरे

कमजोर लोगों को जुल्म और शोषण से आजाद कराना था। इस जोड़े ने समाज में बिना किसी पुजारी या दहेज के कम खर्च में शादियां कीं। ऐसी शादियों में दूल्हा और दुल्हन दोनों ने शादी की कसमें खाईं। सावित्रीबाई ने इसके महिला सेक्शन की हेड के तौर पर काम किया और 28 नवंबर, 1890 को अपने पति की मौत के बाद, वह समाज की चेयरपर्सन बन गईं। सावित्रीबाई ने अपनी आखिरी सांस तक समाज के जरिए अपने पति के काम को आगे बढ़ाया। 1876 से शुरू हुए अकाल के दौरान उन्होंने और उनके पति ने बिना डरे काम किया। उन्होंने न सिर्फ. अलग-अलग इलाकों में मुफ़्त खाना बांटा, बल्कि महाराष्ट्र में 52 मुफ़्त फूड हॉस्टल भी शुरू किए। सावित्रीबाई ने 1897 के सूखे के दौरान ब्रिटिश सरकार को राहत काम शुरू करने के लिए भी मनाया। इस शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और लिंग भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। काव्य फुले (1934) और बावन काशी सुबोध रत्नाकर (1982) उनकी कविताओं का कलेक्शन हैं। मृत्यु उनके गोद लिए हुए बेटे यशवंतराव ने डॉक्टर के तौर पर अपने इलाके के लोगों की सेवा की। जब 1897 में दुनिया भर में फैली तीसरी महामारी बुबोनिक प्लेग ने महाराष्ट्र के नालासपोरा के आस-पास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो हिम्मत वाली सावित्रीबाई और यशवंतराव ने पुणे के बाहरी इलाके में इस बीमारी से संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए एक क्लिनिक खोला। वह मरीजों को क्लिनिक लाती थीं जहाँ उनका बेटा उनका इलाज करता था जबकि वह उनकी देखभाल करती थीं। समय के साथ, मरीजों की सेवा करते हुए उन्हें यह बीमारी हो गई और 10 मार्च, 1897 को उनकी मौत हो गई। समाज की सदियों पुरानी बुराइयों को खत्म करने के लिए सावित्रीबाई की लगातार कोशिशें और उनके द्वारा छोड़े गए अच्छे सुधारों की समृद्ध विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

ब्रह्मपुत्र पर चीन का मेगा बांध विकास की परियोजना है या भारत पर रणनीतिक दबाव?

नीरज कुमार दुबे

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है।

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ केवल जलधाराएँ नहीं होतीं, वह राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के समीकरणों को भी प्रभावित करती हैं। इन्हीं नदियों में से एक है ब्रह्मपुत्र, जो तिब्बत से निकलकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और फिर बांग्लादेश तक जीवनदायिनी धारा के रूप में बहती है। हाल के वर्षों में तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र पर चीन द्वारा बनाई जा रही विशाल जलविद्युत परियोजना ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन की जरूरत से प्रेरित है या इसके पीछे भारत पर रणनीतिक दबाव बनाने की योजना भी छिपी हुई है?

उल्लेखनीय है कि चीन जिस परियोजना पर काम कर रहा है, उसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। इसकी अनुमानित उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट बताई जाती है, जो वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े जलविद्युत संयंत्र ह्यथ्री गॉर्जेस डैमह्ल से भी कई गुना अधिक है। इस परियोजना पर करीब 1.2 ट्रिलियन युआन, यानी लगभग 140 से 170 अरब डॉलर खर्च होने का अनुमान है। योजना के अनुसार इसमें पाँच बड़े कैस्केड बांध बनाए जाएंगे और इससे हर साल लगभग 300 अरब यूनिट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह बिजली उत्पादन कई देशों की कुल वार्षिक खपत के बराबर माना जाता है।

यह परियोजना तिब्बत में उस स्थान के पास बनाई जा रही है जहाँ ब्रह्मपुत्र नदी नामचा बरवा पर्वत के आसपास एक विशाल मोड़ बनाकर भारत के अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है। भूगोल की दृष्टि से यह स्थान बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ नदी का प्रवाह बहुत तीव्र हो जाता है और गहरी घाटियाँ बनती हैं। इसी कारण इसे जलविद्युत उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। लेकिन यही भौगोलिक स्थिति भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण भी बन गई है।

दरअसल ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। इसका कुल प्रवाह मार्ग लगभग 2880 किलोमीटर लंबा है, जिसमें करीब 1625 किलोमीटर तिब्बत, लगभग 918 किलोमीटर भारत और करीब 337 किलोमीटर बांग्लादेश में बहता है। यह दुनिया की सबसे अधिक

जलप्रवाह वाली नदियों में से एक है और मानसून के समय इसका औसत जल प्रवाह लगभग 19,800 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुँच जाता है। असम और अरुणाचल प्रदेश की कृषि, मत्स्य पालन, जल परिवहन और पारिस्थितिकी इस नदी पर काफी हद तक निर्भर हैं।

हालाँकि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश जल भारत में ही बनता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार नदी के कुल प्रवाह का लगभग 65 से 70 प्रतिशत हिस्सा भारत में उत्पन्न होता है, जो मुख्यतः मानसूनी वर्षा और सहायक नदियों से आता है। चीन के हिस्से से आने वाला जल लगभग 22 से 35 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इसका अर्थ यह है कि चीन भले ही नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित हो, लेकिन पूरे नदी तंत्र के जल पर उसका पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है।

इसके बावजूद भारत की चिंताएँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। यदि चीन नदी के ऊपरी हिस्से में बड़े पैमाने पर जल संरचनाएँ बनाता है, तो उसे पानी के प्रवाह को नियंत्रित करने की एक हद तक क्षमता मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नियंत्रण कई प्रकार की परिस्थितियाँ पैदा कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि गैर-मानसून के समय पानी रोक लिया जाए तो नीचे के क्षेत्रों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। वहीं यदि अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाए तो असम और बांग्लादेश में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा एक और महत्वपूर्ण पहलू डेटा नियंत्रण का है। अंतरराष्ट्रीय नदियों के मामले में जल प्रवाह और मौसम से जुड़ा हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। अतीत में भारत और चीन के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनके तहत चीन मानसून के समय ब्रह्मपुत्र के जल स्तर की जानकारी भारत को देता है। लेकिन जब दोनों देशों के बीच सीमा तनाव बढ़ा, तब कुछ समय के लिए यह डेटा साझा करना भी बाधित हुआ। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि जल संसाधन भी भविष्य में कूटनीतिक दबाव का साधन बन सकते हैं।

इस परियोजना से जुड़ी पर्यावरणीय चिंताएँ भी कम नहीं हैं। हिमालय का यह क्षेत्र भूकंप और भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जाता है। यदि किसी बड़े भूकंप या प्राकृतिक आपदा के कारण बांध को नुकसान होता है तो उसके परिणाम नीचे के देशों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। इतनी बड़ी जलराशि का अचानक बहाव असम और बांग्लादेश में गंभीर तबाही ला सकता है।

दूसरी ओर, चीन इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहता है कि यह परियोजना ह्लरन-ऑफ-द-रिवरह्व तकनीक पर आधारित है, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसका तर्क है कि यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद करेगी।

दूसरी ओर भारत भी पूरी तरह निष्क्रिय नहीं है। ब्रह्मपुत्र बेसिन में भारत लगभग 76 गीगावाट जलविद्युत क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, जिसमें से करीब 52 गीगावाट क्षमता केवल अरुणाचल प्रदेश में संभावित मानी जाती है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ नदी के जल प्रबंधन में संतुलन बनाए रखना भी है।

स्पष्ट है कि ब्रह्मपुत्र पर चीन का यह मेगा बांध केवल एक ऊर्जा परियोजना नहीं है। यह आधुनिक दौर की ह्लजल भू-राजनीतिह्व का उदाहरण भी है, जहाँ नदी के स्रोत पर स्थित देश को स्वाभाविक रणनीतिक बढ़त मिल जाती है। चीन इसे विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से देखता है, जबकि भारत इसे जल सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से जोड़कर समझता है।

बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि ब्रह्मपुत्र भविष्य में सहयोग का माध्यम भी बन सकती है और तनाव का कारण भी। यदि भारत, चीन और बांग्लादेश पारदर्शी जल प्रबंधन, डेटा साझेदारी और पर्यावरणीय सुरक्षा के साझा ढाँचे पर सहमत हो जाएँ, तो यह नदी संघर्ष की धारा नहीं बल्कि क्षेत्रीय सहयोग और समृद्धि की धारा बन सकती है। हालांकि लेकिन इसके लिए विश्वास, पारदर्शिता और दूरदर्शी कूटनीति की आवश्यकता होगी।
~~~~~~~~~

नाजुक तेरे लब

सुन्दरता स्त्रियों को प्रकृति की दी हुई अनुपम भेट है। हर ऋतु में अपनी सुन्दरता को संभाल कर रखना हर स्त्री का धर्म है। अपने अनुपम अंगों की सही देखभाल करना स्त्री की सचेतना को दर्शाता है। विशेषकर शीत ऋतु में ठंडी हवाओं के चलते हुए हमें अपने खुले अंगों पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि ठंडी हवाएँ खुले अंगों की त्वचा को खुरदरा व सिकुडा हुआ बना देती है और त्वचा फटनी शुरू हो जाती है।

खुले अंगों में से होंठ सबसे अधिक नाजुक होते हैं और शीघ्र फट जाते हैं। इनके फटने से या सिकुड़ने से चेहरे की सुन्दरता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। सुन्दर होंठ चेहरे की शान होते हैं, इसलिए इनको फटने और सिकुड़ने से बचा कर रखना चाहिए।

- फटे हुए होंठ पीड़ादायक होते हैं और कभी-कभी अधिक फटने से उनमें खून रिसना शुरू हो जाता है। कई बार होंठों पर जख्म बन जाते हैं जो देखने में बहुत गंदे लगते हैं। खिले-खिले होंठ सबको अच्छे लगते हैं। उनको खिला-खिला रखने के लिए सर्दियों में विशेष ध्यान देना चाहिए।
- खाना खाने के पश्चात दाँतों और होठों को अच्छी तरह से साफ करना चाहिए। अधिक जोर से होठों को न रगड़ें।
- होठों पर पपड़ी जमने पर उन्हें खींच कर मत निकालें। उन पर माइश्चराइजर या मलाई आदि धीरे-धीरे लगायें और कुछ समय के लिए छोड़ दें।
- नहाने से पूर्व नियमित नाभी में तेल लगायें। ऐसा नियमित करने से होंठ फटेंगे नहीं।
- होठों पर जैतून के तेल की या कोल्ड क्रीम की हल्की मालिश करें। उससे होठों की खुश्की से बचा कर रख सकते हैं।
- लिपिस्टक लगाने से पूर्व होठों पर माइश्चराइजर लगायें। बाहर जाते समय लिपिस्टिक लगा कर ठंड से होठों की सुरक्षा कर सकते हैं। ध्यान रखें रात्रि में सोते समय लिपस्टिक साफ कर के सोयें। बाद में होठों पर मलाई से हल्की मालिश कर लें।
- कच्चे दूध में केसर मिला कर नियमित होठों पर लगाने से होंठ गुलाबी बने रह सकते हैं।
- हो सके तो लिपस्टिक लगाने के बाद होठों पर लिप ग्लास लगा लें। इससे होठों में अधिक चमक आती है और लिपस्टिक जल्दी नहीं छूटती।
- उचित आहार पर अवश्य ध्यान दें।
- अधिक ठंडे और गर्म पेय पदार्थो का सेवन न करें। थोड़ी सी अतिरिक्त देखरेख से आप अपने होठों को सुंदर और गुलाबी रख सकती हैं। सर्दियों की हवा ठंडी और शुष्क होती है, इसलिए इन्हें आवश्यकता होती है अधिक देखभाल की।

इन्हें भी आजमाइए

- रसदार सब्जी बनाते समय यदि धीमी आंच पर बर्तन को ढंक कर पकाएं तो यह ज्यादा स्वादिष्ट और पौष्टिक बनेगी और मसालों की सुगंध भी नहीं बिगड़ेगी।
- यदि टमाटर छीलने हों तो कुछ देर के लिए गर्म पानी में डालकर छीलें। छिलका आराम से उतर जाएगा।
- प्याज काटते समय उसका असर आंखों में कम हो, इसके लिए प्याज छील कर कुछ देर के लिए पानी में डाल दें।
- नींबू सूख गए हों तो उन्हें थोड़ी देर के लिए गर्म पानी में डाल दें। रस निकल आएगा।
- नींबुओं को अधिक समय तक ताजा और रसदार रखने के लिए इन्हें राख में दबाकर रखें।
- हरा धनिया मुरझाने पर गिलास में थोड़े गर्म पानी में धनिए की डंडियां करीब एक घंटे के लिए डुबो देने से ताजा हो जाता है।
- आलू के चिप्स बनाते समय पानी में चुटकी भर फिटकरी डाल दें, चिप्स बिल्कुल सफेद बनेंगे।
- हरी सब्जियों को जल्दी सूखने से बचाने के लिए इन्हें टोकरियों में खुला रखने की बजाय अलग-अलग पॉली-थीन बैग में बंद करके रखें।
- पकौड़े अधिक कुरकुरे और खस्ता बनाने के लिए बेसन में थोड़ा-सा पिसा हुआ चावल का आटा मिला दें।
- सब्जियां बनाते समय उनमें पानी गर्म ही डालें तो सब्जियां जल्दी पकेंगी।

खुशी से मिले कामयाबी

हर चीज को देखने का अलग-अलग नजरिया होता है। हम अपनी हार व सामने वाले की जीत को किस नजरिए से देखते है। यह हमारी सोच पर निर्भर करता है। कुछ लोगों के मन में सफल व्यक्ति को देखकर ईर्ष्या की भावना पैदा होती है। तो कुछ उसे प्रतियोगी समझ कर उससे और आगे बढ़ना चाहते है। जलन या ईर्ष्या में हम दूसरों की उन्नति को देखकर बहुत दुखी होते है। ईर्ष्या करने से हमारे अंदर हीन भावना आती है। जबकि प्रतियोगिता में हमें सामने वाले से मेहनत करके आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। स्वस्थ प्रतियोगिता में कई बार प्रतिभागी ही एक दूसरे की मदद करते हैं। जबकि उन्हें पता होता है कि हमारी यह मदद सामने वाले को हमारे बराबर या हमसे आगे निकाल सकती है। यूंकि यह स्वस्थ प्रतियोगिता है। इसलिए हम इसमें एक-दूसरे की मदद करके भी आगे बढ़ते है। ईर्ष्यालु व्यक्ति तो कई बार मदद करने की बजाय काम ही बिगाड़ देते है। ताकि सामने वाला पिछड़ जाए। इस तरह की भावना रखने वाले लोग कभी स्वस्थ प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। यह एक अस्वस्थ प्रतियोगिता है। सही प्रतियोगिता तो तभी होती है। जब दोनो ही प्रतिभागियों का विकास हो, लेकिन जब एक व्यक्ति ही आगे बढ़ता हैं। और दूसरा उससे ईर्ष्या करके हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। तो उसका दिमाग कुछ और नहीं कर पाता। उसकी पूरी ऊर्जा जलने में ही लगी रहती हैं। ईर्ष्या में उसकी उन्नति पूरी तरह समाप्त हो जाती हैं। वह अपना ध्यान अपने पर न देकर दूसरों पर ही लगाए रहता है। जिससे ईर्ष्याग्रस्त व्यक्ति अपने लिए कुछ नहीं कर पाता। दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करने की वजाय यदि हम अपने मन में एक बात ठान लें कि जीतने वाले कोई अलग काम नहीं करते बल्कि वे हर काम अलग ढंग से करते है। बस, हमें उसी ढंग को समझना है। चूंकि दूसरों की अच्छाई को अपनाने में कोई बुराई नहीं होती इसलिए सामने वाले से जितना हो सके उतना सीखने की कोशिश करें ताकि आपकी जानकारी बढ़े और आप प्रगति करें।

दाम्पत्य जीवन में शिष्टाचार

- सुखी दाम्पत्य के लिए अप्रिय स्थितियों से बचने के विकल्प खोजें, कार्यों में रूचि लें, पूर्वाग्रहों से मुक्ति पाएं, गुणों की सराहना करें, बातों को तूल न दें, अपने व्यवहार की समीक्षा करें, क्रोध पर काबू रखें।
- अपने जीवनसाथी की किसी से तुलना न करें। हर वक्त ताना देने, बुराई करने, दोष देने से जीवनसाथी कुंठित होता है। इससे बचें।
- दोनों एक साथ क्रोध न करें। एक दूसरे के साथ जोर-जोर से न बोलें, वाद-विवाद में जीत का श्रेय अपने साथी को दें।
- पत्नी की भावनाओं और सम्मान का ध्यान रखें। पति-पत्नी समय-समय पर एक-दूसरे की तारीफ करें तथा विशेष मौकों पर उपहार दें।
- किसी पार्टी, यात्रा के दौरान पति-पत्नी अपना व्यवहार संतुलित रखें। अन्यथा उपहास के पात्र बन सकते हैं।
- यदि पत्नी नौकरपेशा है, तो उसके कार्य में सहयोग करें।

सब्जी टिक्की

सामग्री : 250 ग्राम उबले हुए आलू, 150 ग्राम कॉर्नफ्लोर, 50 ग्राम गाजर बारीक कटे हुए, 50 ग्राम हरे मटर उबले हुए, 50 ग्राम फूलगोभी बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून राई, 1 टीस्पून साबुत धनिया, आधा-आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, आधा टीस्पून अमचूर, आधा टीस्पून सफेद तिल, 1 टीस्पून शक्कर, चुटकीभर हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार।

विधि : आलू को अच्छी तरह मैश करके उसमें कॉर्नफ्लोर मिला लें और छोटी-छोटी लोई बनाकर रख दें। एक पैन में थोड़ा तेल डालकर जीरा, राई धनि.I और करीपत्ते का तड़का लगाएं और उसमें सभी बारीक कटी सब्जियां और थोड़ा-सा पानी डालकर पकाएं। जब सब्जियां पक जाएं तो उसमें मिर्च पाउडर, अमचूर, शक्कर, सफेद तिल और स्वादानुसार नमक मिलाएं। आंच पर से उतारकर ठंडा होने दें। आलू की लोइयों में सब्जी वाला मिश्रण भरकर टिक्कियां बना लें और सुनहरा होने तक तलें।

सौंदर्य समस्याएं और प्रसाधन

- त्वचा का रंग निखारने के लिए नियमित फेस पैक स्क्रब लगाएं।
- आंखों के आसपास की लकीरों को दूर करने के लिए आंखों के आसपास सिनर्जी आई कंटूर जैल लगाएं।
- त्वचा के खुले रोम छिद्रों को दूर करने के लिए किसी भी बढ़िया कम्पनी का एस्ट्रींजैंट लोशन लगाएं।
- हाथों की त्वचा को नरम व मुलायम बनाए रखने के लिए बाडी लोशन या कोल्ड क्रीम का प्रयोग करें।
- हेयर स्टाइल को सैट करने के लिए हेयर स्प्रे का प्रयोग करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनै:-शनै: स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3823

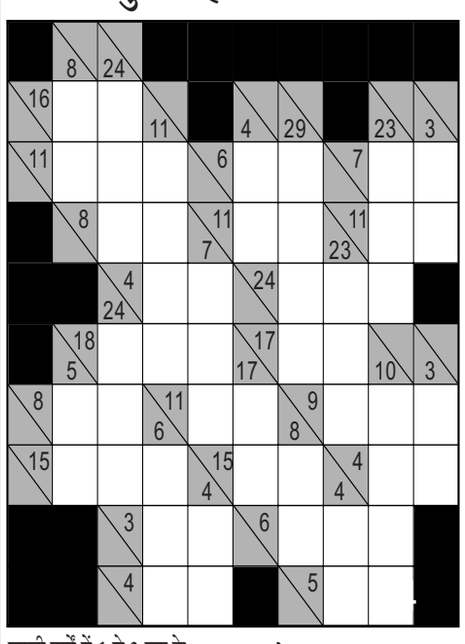

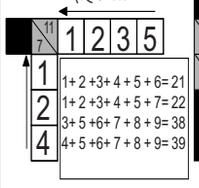

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3822 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- 'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली- 'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूं.'

□ □ □

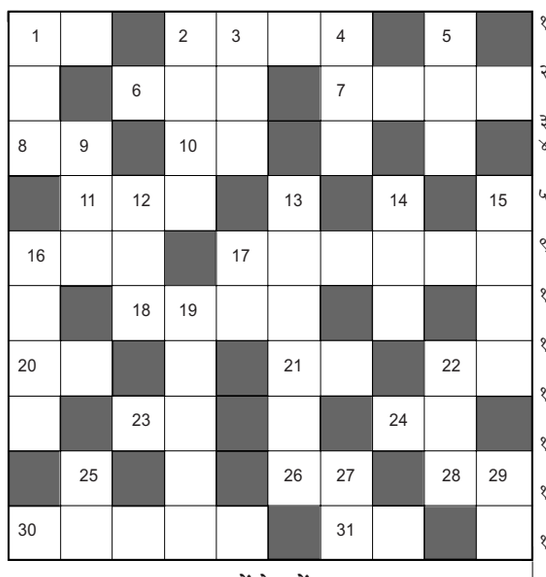

एक दोस्त ने दूसरे से कहा- 'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है- 'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3823

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था ?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था ?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी ?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3822

सूडोकु -3823

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3822 का हल

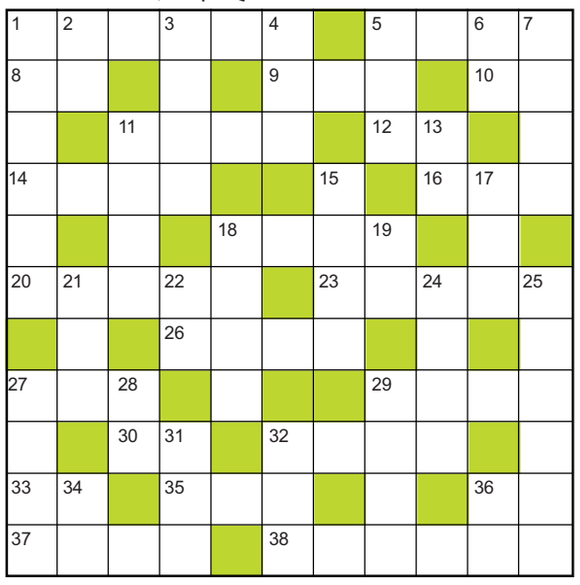

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 3823

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -3822 का हल

एयर इंडिया बढ़ा रही यूरोप और अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें

- यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित होंगी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की एयर इंडिया ने 10 से 18 मार्च के बीच यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसमें न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख शामिल हैं। साथ ही माले और कोलंबो के लिए नई सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इन उड़ानों से नौ मार्गों पर कुल 17,660 सीटें जुड़ेंगी। इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें चलानी पड़ीं। एयर इंडिया ने वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग अपनाकर यूरोप और अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। यूरोपीय उड़ानों के लिए बोइंग 787-8 और न्यूयॉर्क की उड़ानों के लिए बोइंग 777-300 ईआर का उपयोग

किया जाएगा। इंडिगो ने भी मुंबई-लंदन मार्ग फिर से शुरू किया है, जिसमें नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिया गया बोइंग 787-9 इस्तेमाल हुआ। विमान अफ्रीका और लाल सागर मार्ग से यूरोप पहुंचता है, जिससे उड़ान लगभग 10 घंटे 30 मिनट लंबी हो गई। भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान-अफगानिस्तान कॉरिडोर बंद है। इसलिए वे सीमित विकल्पों में वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी उड़ानों से ईंधन लागत और संचालन जटिलताएं बढ़ रही हैं।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं सरकारी योजनाएं: निर्मला सीतारमण

महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच उन्हें असली आज़ादी दिलाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि जनधन खाता और लखपति दीदियों जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं और घरों तथा समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जनधन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार देश में अब तक 57.71 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। सीतारमण ने बताया कि महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं, जो पूरे भारत में वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, वित्तीय सहायता और अन्य संसाधन प्रदान किए जाते हैं। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे अधिक की आय अर्जित कर सकें। इस योजना से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है। इसी प्रकार केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि नारी शक्ति नए भारत के निर्माण का आधार है और देश के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

मध्य-पूर्व तनाव से कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका

भारत की प्रमुख गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता के बीच देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े सूत्रों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए देश की प्रमुख गैस कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने की दिशा में कदम उठा रही हैं। बताया जा रहा है कि कई स्थानों पर कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई में कमी देखने को मिल रही है। विशेष रूप से 5, 19 और 425 किलोग्राम वाले जंबो कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने की चर्चा है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यापारिक प्रतिष्ठान और औद्योगिक इकाइयों की चिंता बढ़ गई है। गैस कंपनियों के प्लांट्स पर सिलेंडर भरवाने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगने की जानकारी भी सामने आ रही है। डीलरों का कहना है कि उन्हें सीमित कोटा ही उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके कारण सप्लाई व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से संकेत दिए गए हैं कि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं की आपूर्ति को हर हाल में सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ नए नियम और शर्तें लागू की जा सकती हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण बने रहते हैं तो इसका असर व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों पर पड़ सकता है। ऐसे में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों पर भी दबाव बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि सरकार और ऊर्जा कंपनियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित रखने के प्रयास जारी हैं।

एआई एजेंट बन सकते हैं सबसे बड़ा साइबर खतरा- साइबर सुरक्षा फर्म

नई दिल्ली ।

साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने हाल ही में कहा कि देश को स्वदेशी एआई (सॉवरिन एआई) के विकास में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई तकनीक में पाँच साल पीछे रहें, तो यह देश के लिए नुकसानदेह होगा। तीन साल की देरी भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा में तकनीकी समय की देरी सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछड़ी तकनीक के कारण हैकर्स और खतरनाक एजेंट नेटवर्क में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। जय चौधरी ने साइबर खतरों को दो श्रेणियों में बाँटा। पहला, हैकर समूह जो जल्दी पैसा कमाने के लिए हमले करते हैं। दूसरा, देश-स्तरीय एजेंट जो आईपी चोरी और युद्धकालीन फायदे के लिए नेटवर्क में बैकडोर और स्पाइवेयर एम्बेड करते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर हर खुला पॉइंट अटैक सरफेस बन जाता है। पहले हैकरों को हफ्तों लगते थे, अब एआइ 30 सेकंड में पूरी जानकारी जुटा सकता है। सिलिकन वैली में कार्यालय खोलने से पहले जीस्केलर ने बेंगलुरु में अपना ऑफिस खोला। भारत में कंपनी के लगभग 40 फीसदी कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और ट्रेनिंग टीम का लगभग आधा हिस्सा भारत में है, जो अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र बनाता है। जय चौधरी ने सॉवरिन एआई और उन्नत तकनीक के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।

अरबों डॉलर का भारतीय माल रास्ते में अटका, 45,000 कंटेनर फंसे

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशियाई संघर्ष के कारण भारतीय निर्यातकों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की कंपनियों के मुताबिक, लगभग 40,000-45,000 कंटेनर फिलहाल मार्ग में फंसे हैं या अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों पर अटके हुए हैं। इनमें से करीब 80 प्रतिशत समुद्री मार्ग में हैं। इन कंटेनरों में कुल 1-1.5 अरब डॉलर मूल्य का माल शामिल है, जिसमें बासमती चावल लगभग 4 लाख टन शामिल हैं। शिपिंग कंपनियों ने युद्ध जोखिम अधिभार, आपातकालीन लागत वसूली शुल्क और पीक सीजन शुल्क जैसे अतिरिक्त शुल्क लागू किए हैं। इन कारणों से प्रति कंटेनर लागत तीन से पांच गुना बढ़ गई है। एक व्यापार नीति विश्लेषक के अनुसार, सामान्य दिनों में अरब सागर में माल ढुलाई की लागत 800-1,500 डॉलर होती थी, अब इसे अतिरिक्त 3,000-5,000 डॉलर जोड़ना पड़ रहा है। बीमाकर्ताओं द्वारा युद्ध जोखिम कवर रद्द कर दिया गया है, जिससे निर्यातकों के लिए जोखिम और बढ़ गया है। कुछ निर्यातक बेक टू टाउन विकल्प पर विचार कर रहे हैं, जिससे बंदरगाह से माल वापस

लाकर घरेलू बाजार में बेचा जा सके। इसके अलावा यदि खाड़ी देशों के बंदरगाह पर माल उतारना संभव न हो, तो इसे सलालाह जैसे वैकल्पिक बंदरगाहों पर उतारा जा सकता है।

150 डॉलर के पार पहुंच सकता है कच्चा तेल

नई दिल्ली ।

दुनिया की लगभग 20 फीसदी क्रूड ऑयल सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से होकर जाती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह जल मार्ग जल्द खुलता है, तो तेल की कीमतें गिर सकती हैं और बाजार सामान्य हो सकता है। लेकिन अगर बंदी कई सप्ताह तक बनी रहती है, तो सप्लाई में बाधा और कीमतों में तेजी आ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार 125 डालर प्रति बैरल रेजिस्टेंस स्तर है। इस स्तर को पार करने पर कीमतें 145-150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जो 2008 के उच्च स्तर के करीब है। वहीं 90 डॉलर प्रति बैरल महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में उभर सकता है, जो बाजार में तनाव कम होने का संकेत देगा। तेल की कीमतें सिर्फ सात दिनों में 65 फीसदी तक बढ़ी, जो बेहद असामान्य है। यह तेजी 2022 के एनर्जी संकट से अलग है, क्योंकि तब बढ़ोतरी मुख्य रूप से भू-राजनीतिक डर से थी, जबकि अब वास्तविक सप्लाई बाधित हो रही है।

प्लैटिनम के दामों में गिरावट, युवाओं में बढ़ रही मांग

1 ग्राम प्लैटिनम 6,340, 10 ग्राम की कीमत अब 63,400 रुपए

नई दिल्ली । देश के ज्यादातर शहरों में सोमवार को प्लैटिनम की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, भोपाल, इंदौर, लखनऊ, चंडीगढ़, हैदराबाद, सूरत, नागपुर और रायपुर में 1 ग्राम प्लैटिनम 6,340 रुपए में उपलब्ध है। 10 ग्राम प्लैटिनम की कीमत अब 63,400 रुपए हो गई है, जो पिछले हफ्ते के मुकाबले 10 ग्राम पर 500 रुपए कम है। सोने की कीमत लगातार ऊंची बनी हुई है। इस समय 10 ग्राम सोने का भाव लगभग 1,60,000 है। वहीं, 10 ग्राम प्लैटिनम लगभग 66,800 में मिल रहा है। कीमत में यह बड़ा अंतर कई खरीदारों को प्लैटिनम की ओर आकर्षित कर रहा है। प्लैटिनम ज्वैलरी का लुक काफी अलग और मॉडर्न माना जाता है। खासकर युवा वर्ग अब इसे पसंद करने लगे हैं। हालांकि प्लैटिनम की रीसेल वैल्यू सोने जितनी मजबूत नहीं होती, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बाजार दर पर बेचा जा सकता है। अगर आप प्लैटिनम ज्वैलरी खरीदने का सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ताज़ा रेट, शुद्धता और मेकिंग चार्ज की जांच करें। इससे भविष्य में बेचते समय सही मूल्य मिलने में मदद मिलती है।

क्रूड का दाम बढ़ने से अपस्ट्रीम कंपनियों को लाभ, ओएमसी और अन्य सेक्टर्स पर दबाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। सोमवार को तेल की कीमतों में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई और यह 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई। भारत जैसे देशों के लिए जो कच्चा तेल आयात करते हैं, यह स्थिति अर्थव्यवस्था और विभिन्न उद्योगों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। तेल उत्पादक कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से सीधे लाभान्वित होती हैं। इन कंपनियों के लिए हर 1 डॉलर की कीमत बढ़ोतरी से सालाना 300-400 करोड़ रुपये का अतिरिक्त रेवेन्यू होने का अनुमान है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम और इंडियन ऑयल जैसी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें चुनौती बन सकती हैं। सरकार फिलहाल पेट्रोल और डीजल की रिटेल कीमतें बढ़ाने के पक्ष में नहीं है, इसलिए बढ़ी हुई लागत सीधे इन कंपनियों के मार्जिन और मुनाफे पर असर डालती है। पेंट कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें चिंता का विषय हैं। पेंट बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई रसायन पेट्रोकेमिकल से जुड़े होते हैं। लागत बढ़ने पर कंपनियों को उत्पाद की कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे बिक्री और मांग प्रभावित हो सकती है। ब्रोकरेज फर्मों ने एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स के टारगेट कम किए हैं। एविएशन कंपनियों के लिए भी तेल की कीमतें बड़ी चुनौती हैं। इंडिगो जैसी एयरलाइंस के लिए एविएशन टरबाइन फ्यूल का खर्च बढ़ने से संचालन और मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1352 , निफ्टी 422 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बढ़ने से भी बाजार टूटा है क्योंकि निवेशकों में भय का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक करीब 1.71 फीसदी नीचे आकर 77,566.16 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 422.40 अंक फिसलकर 24,028.05 पर बंद हुआ। हालांकि बाजार में निचले स्तरों पर खरीददारी से कुछ रिकवरी हुई। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट से शुरुआत हुई । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बाजार खुलते ही निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया और भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स करीब 2,347 अंकों की गिरावट के साथ लगभग 76,571 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी 50 भी लगभग 713 अंकों की गिरावट के साथ 23,736 के आसपास ट्रेड करता दिखा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। गिरावट के बीच सबसे ज्यादा नुकसान इंटरग्लोब ऐविएशन के शेयर में दर्ज किया गया, जिसमें करीब 7.5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। इसके अलावा टाटा स्टील, लार्सन एंड टर्बो, स्टेट बैंक आफ इंडिया और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेज गिरावट रही। वहीं एशियन पेंट, अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकानामी जोन, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंड लिमिटेड और बजाज फाइनेंस भी नुकसान में कारोबार करते दिखे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो लगभग सभी सेक्टर दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली, जो करीब 5.5 फीसदी तक फिसल गया। इसके बाद निफ्टी आटो इंडेक्स में लगभग 4.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले शुक्रवार शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

पेट्रोल और डीजल के भाव में उतार-चढ़ाव

- गौतमबुद्ध नगर, देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता, पटना में 35 पैसे महंगा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है, जिसका असर देश के शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दिख रहा है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए/लीटर और डीजल 30 पैसे गिरकर 88.01 रुपए प्रति लीटर पर आ गया। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पेट्रोल 26 पैसे घटकर 93.43 रुपए प्रति लीटर और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रे ति लीटर बिक रहा है। वहीं पटना में पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 33 पैसे बढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए, डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए, डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए, डीजल 91.76 रुपए और चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए, डीजल 92.61 रुपएे बिक रहा है।

यात्रा रद्द करने से पहले जानें रिफंड और वैकल्पिक उड़ान के नियम

एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश- ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया की यात्रा पर निकले कई यात्री हाल ही में बढ़ते युद्ध और हवाई मार्ग बंद होने की वजह से अपनी उड़ान और होटल बुकिंग रद्द कर रहे हैं। यात्रियों को पहले तय करना चाहिए कि वे यात्रा करना चाहते हैं या रिफंड लेना चाहते हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइन से आने वाले आधिकारिक संदेश- ईमेल, एसएमएस या ऐप नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें और कोई भी कदम उठाने से पहले नियमों को समझ लें। यदि युद्ध या हवाई मार्ग बंद होने की वजह से एयरलाइन अपनी उड़ान रद्द करती है, तो नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के` नियम स्पष्ट हैं। बुकिंग करा चुके यात्री को पूरी रकम वापस मिलती है या उसकी वैकल्पिक यात्रा का इंतजाम किया जाता है। ऐसी स्थिति को फोर्स मैजर कहा जाता है।` विशेषज्ञ के अनुसार इस तरह की असामान्य परिस्थितियों में एयरलाइन से अलग मुआवजा मांगना जरूरी नहीं होता, लेकिन मूल टिकट की रकम लौटानी होती है। रिफंड का अधिकार मजबूत करने के लिए एयरलाइन से लिखित में पुष्टि लेना जरूरी है। विशेषज्ञों की मानें तो खुद टिकट कैंसल कराने के बजाय इंतजार करें कि एयरलाइन ही उड़ान रद्द कर दे। अगर यात्री खुद टिकट रद्द करा लेता है मगर उड़ान चालू रहती है तो तब तक किराये के सामान्य नियम लागू होंगे, जब तक एयरलाइन किराया माफ करने के या मुफ्त में कैंसल करने की नीति नहीं लाती है। जब एयरलाइन उड़ान को टालने या शुल्क माफ करने जा रही हो तो नॉन-रिफंडेबल किराये वाले टिकट कैंसल बिल्कुल नहीं करें। लॉ` विशेषज्ञों की सलाह है, यात्रियों को खुद टिकट कैंसल नहीं करने चाहिए बल्कि एयरलाइन से लिखित कैंसलेशन मांगना चाहिए ताकि रिफंड का उनका अधिकार बना रहे। अगर एयरलाइन आपको वैकल्पिक उड़ान का प्रस्ताव देती है तो उसे स्वीकार करना और यात्रा करना जरूरी नहीं है। अगर आपको लगता है कि तेज होते युद्ध के बीच आपको सफर नहीं करना है तो आप एयरलाइन से उसकी जगह पूरा किराया वापस मांग सकते हैं।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने केतन मर्चेंट को नया अंतरिम सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली ।

फिनो पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ ऋषि गुप्ता को पिछले महीने जीएसटी से संबंधित कथित उल्लंघन के मामले में गिरफ्तार किया गया। इस मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है। गिरफ्तारी के बाद बैंक के बोर्ड ने गुप्ता के कार्यभार की जिम्मेदारी मुख्य वित्तीय अधिकारी केतन मर्चेंट को सौंप दी थी। बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केतन मर्चेंट को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 27 फरवरी, 2026 से तीन महीने या गुप्ता के फिर से कार्यभार संभालने तक लागू होगी। मर्चेंट बैंक के सीएफओ भी हैं और गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने बैंक के रोजमर्रा के संचालन का नेतृत्व किया। गुप्ता का बैंक में वापस आना बोर्ड और नामांकन व पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) द्वारा उनकी उपयुक्तता की पुन- समीक्षा और आरबीआई की मंजूरी पर निर्भर करेगा। दिलचस्प बात यह है कि गिरफ्तारी से लगभग एक महीने पहले ही आरबीआई ने गुप्ता का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाने की अनुमति दी थी, जो 2 मई, 2026 से प्रभावी होगा।

पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट

देश के आयात बिल और महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेज गिरावट दर्ज की गई। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 8.67 प्रतिशत, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का 8.43 प्रतिशत और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) का 7.29 प्रतिशत टूट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस गिरावट का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और उससे तेल की कीमतों में आई तेजी है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड 114 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस उछाल से न सिर्फ तेल कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ा है, बल्कि देश के आयात बिल और महंगाई पर भी असर पड़ने की आशंका है। तेल की बढ़ती कीमतों से पेंट उद्योग भी प्रभावित हुआ। एशियन पेंट्स का शेयर 5.12 प्रतिशत, इंडिगो पेंट्स 4.83 प्रतिशत, बर्जर पेंट्स 4.80 प्रतिशत और कंसाई नेरोलैक पेंट्स 4.72 प्रतिशत टूट गए। इसकी वजह पेंट उद्योग में उपयोग होने वाली कच्ची सामग्री की लागत बढ़ना है, जो तेल और पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर है।

स्विस ओपन नहीं खेलेगी सिंधू, भारतीय चुनौती का दारोमदार श्रीकांत और प्रणय पर

बासेल (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं है लिहाजा वह स्विस ओपन नहीं खेलेंगी जबकि एच एस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत 250000 डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। ईरान पर अमेरिका और इस्त्राइल की बमबारी और ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते खाड़ी में हवाई क्षेत्र पाबंदियों के कारण सिंधू तीन दिन दुबई में फंसी रही और आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप से नाम वापिस लेना पड़ा।

भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने पीटीआई से कहा, 'वह स्विस ओपन नहीं खेलेगी। हमें पता है कि दुबई में उनका अनुभव क्या रहा। वह बर्मिंघम नहीं जा सकी थी। उन्हें इससे उबरने में कुछ समय लगेगा।' भारत लौटने के बाद सिंधू ने स्वीकार किया था कि दुबई में हुए अनुभव के कारण वह काफी तनाव में रही और उम्मीद है कि यह इस तरह का पहला और आखिरी अनुभव रहे। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए ही वापसी करेंगी।

पुरूष एकल में श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरूण मन्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सामना सिंगापुर के एंग कीट वेसले को और जुंसुके कुबो से होगा। हरिहरन ए और एम आर अर्जुन चीनी ताइपै के चेन झिरे और लिन यू चियेह से खेलेंगे। महिला एकल में ऊन्नति हुड्डा का सामना चीनी ताइपै की चियू पिन चियान से होगा जबकि मालविका बंसोड़ थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेंगी। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद चीनी ताइपै की हू लिंग फांग और झेंग यू चियेह से खेलेंगी।

'यह तो बस शुरुआत है', हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद भरी हुंकार

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने जिंदगी में मुश्किलों का सामना करने से लेकर लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप जीतने के अपने सफर के बारे में बताया। पांड्या ने कहा कि अहमदाबाद में टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनकी जीत उनके उस वादे का सबूत है जो उन्होंने खुद से किया था कि वे भारत के लिए ट्रॉफी जीतेंगे। उन्होंने 2024 वर्ल्ड कप में वापसी की, जबरदस्त वापसी की और 17 साल बाद जीत हासिल की।

हार्दिक पांड्या ने जियोस्टार पर कहा, 'जब हमने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता, तो मैं पर्सनली बहुत मुश्किलों का सामना कर रहा था। उस टूर्नामेंट से पहले बहुत कुछ हुआ था और चीजें मेरे हिसाब से नहीं हो रही थीं। 2024 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले, मैंने मन बना लिया था कि मैं वापसी करूंगा। मैं जबरदस्त वापसी करना चाहता था। मैंने ऐसा किया और अपनी टीम को 17 साल बाद ट्रॉफी जीतने में मदद की। अहमदाबाद में इस टी20 वर्ल्ड कप जीत की बात करें तो, यह कुछ ऐसा है जिसके लिए मैं हमेशा जीता रहा हूं। मैं अपने देश के लिए अच्छा करने और ट्रॉफी जीतने के लिए क्रिकेट खेलता हूं। मैं भारत के लिए सभी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं।'

पांड्या ने कहा, 'बारबाडोस में जीत के बाद मैंने खुद से वादा किया था कि मैं जो भी टूर्नामेंट खेलूंगा, जीतने के लिए खेलूंगा, और ट्रॉफी उठाऊंगा। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ यह जीत इस बात का सबूत है कि मैंने खुद से जो वादा किया था, वह सच हो गया है। और यह तो बस शुरुआत है।'

भारत ने मिचेल सेंटनर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड को 96 रन के बड़े अंतर से हराकर अपना टी20 वर्ल्ड कप खिताब बचाया। इस जीत के साथ भारत अपने घर में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, 2024 एडिशन जीतने के बाद लगातार दो बार जीतने वाली पहली टीम, और इसे तीन बार (2007, 2024, 2026) जीतने वाली पहली टीम बन गई।

पंड्या की बात करें तो उन्होंने टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 9 पारियों में 27.12 के औसत और 160.74 के स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। 32 साल के स्टार ऑलराउंडर ने भारत के लिए गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 9 मैचों में 2/16 के बेस्ट फिगर के साथ कुल 9 विकेट लिए।

सूर्यकुमार विश्व क्रिकेट के सबसे सफल टी20 कप्तान बने

-रोहित दूसरे नंबर पर खिसके

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम की टी20 विश्वकप में खिताबी जीत के साथ ही सूर्यकुमार यादव इस प्रारुप के सबसे सफल कप्तान बन गये हैं। एशिया कप और टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव का जीत का औसत टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

अब तक टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अच्छा जीत प्रतिशत रोहित शर्मा के नाम था पर टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीतते ही सूर्यकुमार ने रोहित को पीछे छोड़ दिया है। सूर्यकुमार ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए 42 मैच उन्होंने जीते हैं और केवल 8 मैचों में वह हारे हैं। 2 मैचों के परिणाम नहीं निकले हैं। उनका जीत प्रतिशत बतौर कप्तान 80.77 का है।

वहीं रोहित ने भारत को 80.65 फीसदी मैच जिताए हैं। रोहित ने 62 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 50 मैचों में टीम को सफलता मिली है, जबकि 12 मुकाबले भारतीय टीम हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के कप्तान सरफराज अहमद हैं, जिन्होंने 78.38 फीसदी मैच पाकिस्तान को जिताए थे। 37 मैचों में से 29 मैचों में उनकी टीम को जीत मिली थी। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श चौथे स्थान पर हैं, जिनका जीत प्रतिशत 69.23 का है। 39 मैचों में से 27 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का जीत प्रतिशत 66.67 फीसदी है। उन्होंने 27 मैचों में से 18 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलायी है।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, ÷कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।,÷ गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने

जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, 'अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।' 'कोच साहब' वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः 'बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।' इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

28 मार्च से शुरु हो सकता है आईपीएल

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र 28 मार्च से शुरू होने की संभावनाएं हैं । वहीं इसका फाइनल 31 मई को खेला जाना तय हुआ है। आईपीएल में पहला मुकाबला परंपरा के अनुसार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आरसीबी और पिछली उपविजेता पंजाब किंग्स के बीच होगा। ये मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत की तारीख तय हो गयी हैं पर लेकिन बीसीसीआई ने अभी तक इस 19 सत्र का कार्यक्रम जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि इसका कारण अप्रैल और मई में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इस तीनों ही राज्यों में भी आईपीएल मैच स्थल हैं। आईपीएल के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी करनी होती है। इसी काण भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) चुनाव आयोग द्वारा घोषित आधिकारिक मतदान तारीखों का इंतजार कर रहा है। इन तारीखों के सामने आने के बाद ही आईपीएल 2026 के पूरे कार्यक्रम को बोर्ड जारी करेगा।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्ष्मण के प्रति आभार जताया

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है। साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं। इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है। गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है। मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।' गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है। गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया। साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं। साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है। साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं। उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है। साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया। वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं। उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते। .हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये। गंभीर के कार्यकाल में अब तब टीम ने दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं। इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था। भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है। इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते दिखे शोएब अख्तर

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तार की जो प्रतिक्रिया आई है। उससे वह जलेभुने और संशय में घिरे नजर आते आते है। एक तरफ तो वह टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं, वहीं दूसरी और टीम और भारतीय क्रिकेट ढ़ांचे की प्रशंसा करते हैं। भारतीय टीम के लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप विजेता बनने पर अख्तर ने एक शो के दौरान भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत पर मजाकिया अंदाज में टिप्पण कर इस सफलता को कम आंकने का प्रयास किसा। अख्तर ने कहा, 'भारतीय टीम ने प्रयास किया जैसे अमीर बच्चा नहीं होता मोहल्ले में, जो सारे गरीब बच्चों को बुला लेता है कि आओ क्रिकेट खेले। जीतना हालांकि मैंने ही है। भारतीय टीम भी वही कर रही है हमारे साथ। 8 टीम में से 4 रह गई हैं, उनको हराकर कहती है, लो मैं जीत गया। क्रिकेट भी खत्म कर दिया गया।' अख्तर ने जब ये बात कहते हैं तब शो में शामिल अन्य क्रिकेटर सना मीर, मोहम्मद हफीज, उमर गुल और सकलैन मुश्ताक हंसने लगते हैं। शोएब इस प्रकार मजाक में भारतीय टीम की जीत को कम आंकने का प्रयास करते हैं। वहीं उसी शो पर भारतीय टीम की तारीफ भी करते हैं। अख्तर ने कहा, 'ये जीत भारतीय बोर्ड की नीतियों, सिस्टम और मेरिट का परिरणाम है। वहीं ये भी हो सकता था कि पैसे का सही जगह पर इस्तेमाल नहीं होता। कोच गौतम गंभीर ने जोखिम लिया और संजू सैमसन को टीम में लाए। अभिषेक शर्मा युवा है और अपनी ही शैली में खेलते हैं हालांकि उन्हें बहुत कुछ सीखने की जरूरत है पर सैमसन बहुत ही परिपक्व है।' अख्तर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम प्रबंधन ने दिखाया कि कैसे सही खिलाड़ियों को अवसर दिए जाते हैं। इस कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद भी टीम पर प्रभाव नीं पड़ा और वह विश्वकप जीतने में सफल रही।

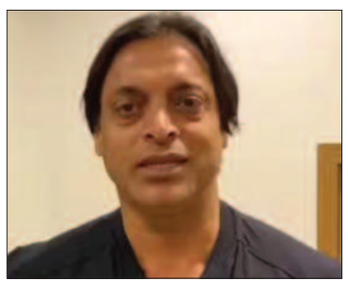

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफीका टी20 सीरीज

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा। तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी। तहुहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी। उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा। साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं। उनके पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है। ली ने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना उनके लिए हमेशा सम्मान की बात रही है। उन्होंने कहा, टीम की की जर्सी पहनकर उतरना उनके लिए गर्व का क्षण होता है।

इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने देश और परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए 100 से ज्यादा मैच खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने की तरह है। उन्होंने साथ ही कहा, मैं खेल में बताये हर पल को हमेशा याद रखूंगी और इस प्रारुप में अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करती हूं। तहुहू ने साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। वहीं अपना अंतिम एकदिवसय मैच आईसी महिला विश्वकप 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी। वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी। इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये। एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके। सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

महिला एशियन कप: क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगा भारत, सामने चीनी ताइपे की कड़ी चुनौती

सिडनी (एजेंसी)। जापान से 0-11 से मिली करारी हार से अभी भी उबर रही भारत को अब मंगलवार को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने आखिरी ग्रुप सी मैच में चीनी ताइपे के खिलाफ़ करो या मरो वाला मुकाबला जीतना होगा। ब्लू टाइग्रेसेस को क्वार्टर फाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कम से कम दो गोल से जीतना होगा।

नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उन्हें जापान को उसी समय होने वाले दूसरे ग्रुप मैच में वियतनाम को हराने की भी जरूरत होगी। भारत अभी दो मैचों में ज़ीरो पॉइंट्स के साथ ग्रुप में चौथे स्थान पर है, इससे पहले जापान से करारी हार मिलने से पहले वह वियतनाम से 1-2 से हार गई थी। जापान छह

पॉइंट्स के साथ ग्रुप में सबसे आगे है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन पॉइंट्स के साथ क्रम से दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। तीनों ग्रुप से टॉप दो टीमें और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सबसे अच्छी टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंच रही हैं, ऐसे में भारत की उम्मीदें एक पक्की जीत और दूसरी जगहों पर अच्छे नतीजों पर टिकी हैं। भारत की हेड कोच अमेलिया वाल्वरडे ने कहा कि टीम को पिछले नतीजों से जल्दी आगे बढ़ना चाहिए और अहम मुकाबले पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'दोनों मैच बहुत अलग थे। सबसे पहले हमें जो हुआ है उसे जल्द से जल्द याद करना होगा। हमें इस मैच के लिए अच्छी तैयारी करनी होगी।' मैच को एक तरह का फाइनल बताते हुए, वाल्वरडे ने कहा कि खिलाड़ियों को दांव पर लगी चीजों का पूरा अंदाज़ा था।उन्होंने आगे कहा, 'हमें मैच की अहमियत का पता है। खिलाड़ी फोकस्ड हैं, और हम अपने मौकों को पूरा करने पर काम कर रहे हैं। यह हमारे लिए फाइनल जैसा है।'

आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पर रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम के युवा कप्तान रियान पराग पर सबकी नजरें रहेंगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में इसबार कप्तानी के समय उन्हें पिछले अनुभवों का लाभ मिलेगा। पिछले सत्र में रॉयल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार रियान पर बेहतर प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाने का दबाव रहेगा। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते नजर आयेंगे। सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे। वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेनद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे। पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे।

उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार

हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

सैमसन की बल्लेबाजी में नजर आती है कोहली और रोहित दोनो की खूबी : कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच और दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने टी20 विश्वप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। कुंबले ने सैमसन की तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी बल्लेबाजी विराट और रोहित का मिला-जुला रुप है।

कुंबले के अनुसार सैमसन जरुरत के अनुसार कोहली की तरह एक छोर को संभाल सकता है और पावरप्ले में रोहित की तरह आक्रामक रुख अपना कर रन बटोर सकता है।, कुंबले ने सैमसन की बल्लेबाजी के रवैये को लेकर कहा कि कहा, अगर आप 2024 के पिछले विश्व कप को देखें, तो उसमें विराट और रोहित दोनो ही शामिल थे। दोनों ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उनकी जगह की कमी पूरी करना कठिन है। मुझे लगता है कि सैमसन एक तरह से कोहली और रोहित का मिला-जुला रुप हैं। जब कोहली की थोड़ी जरूरत होती है, तो वह योजना बनाते हैं और इस बात का प्रयास करते हैं कि आप विकेट न खोएं और फिर जब भी तेजी से रनों की जरूरत होती है पावरप्ले में रोहित की तरह गेंदबाजों का सामना करना चाहते हैं। सैमसन ने फाइनल में अभिषेक के साथ पहले विकेट के लिए केवल 7.1 ओवर में 98 रन बनाये। इसके बाद उन्होंने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 105 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि मुझे तो ऐसा लगा कि मैं सैमसन की पिछली पारी को देख रहा हूं।

डुप्लेसिस ने कहा, ÷आप देख सकते हैं कि वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो फॉर्म में है और जिस तरह से खेलना चाहता है, उस पर पूरी तरह से अमल करने में सफल रहा है। ऐसा लग रहा है कि मैं पिछली पारी फिर से देख रहा हूं। यह बस गेम प्लान दिखा रहा है।÷

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं

हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। इससे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

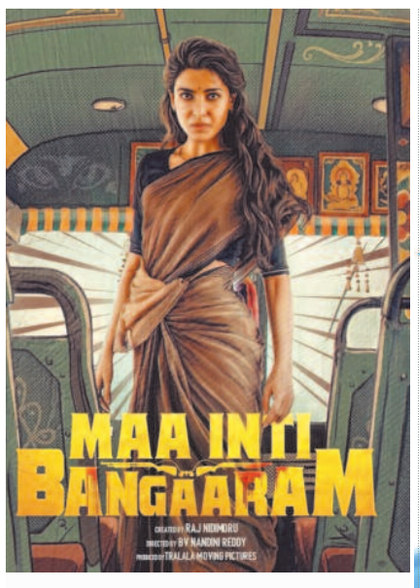

मई में दस्तक देगी सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम

अपनी शादी के बाद सामंथा रुथ प्रभु जल्द पर्दे पर वापसी को तैयार हैं। वे अपनी आगामी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका टीजर बीते दिनों रिलीज हुआ था। अब एक नए पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया गया है।

सामंथा रुथ की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' इस साल मई में रिलीज होगी। एक्ट्रेस ने आज इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का नया पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ रिलीज डेट का खुलासा किया है। यह फिल्म 15 मई 2026 को रिलीज हो रही है। सामंथा ने कैप्शन लिखा है, 'इस गर्मी में थिएटर में मिलते हैं। 'मां इंटि बंगाराम' दुनियाभर में बड़े स्तर पर रिलीज होगी'।

पति राज निदिमोरू ने किया प्रोड्यूस

सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है, जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी 'ओह! बेबी' के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म के टीजर में दिखाया गया था कि एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।' टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया।

कृति सेनन की ट्रोलिंग पोस्ट को लाइक करने पर यामी ने तोड़ी चुप्पी

पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया

पिछले दिनों यामी गौतम ने कृति सेनन को ट्रोल करने वाली एक पोस्ट को लाइक दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर इन्हें लेकर बातें होने लगी हैं। यामी ने इस पूरे मामले पर अब अपना पक्ष रखा है।

हाल ही में मुंबई में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन में 'तेरे इश्क में' के लिए एक्ट्रेस कृति सेनन को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि 'हक' फेम एक्ट्रेस यामी गौतम इस अवॉर्ड की हकदार थीं। ऐसी ही एक पोस्ट को यामी गौतम ने लाइक कर दिया। इसके बाद यामी और कृति सेनन के फैंस सोशल मीडिया पर आपस में भिड़ गए। हाल ही में उस पोस्ट को लाइक करने के बारे में यामी गौतम ने चुप्पी तोड़ी है। यामी गौतम ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए पूरे विवाद को लेकर सफाई दी। वह अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मुझे पता चला है कि मैंने एक रील को 'लाइक' किया है, जो दूसरी एक्ट्रेस को ट्रोल कर रही थीं। हमें हर दिन कई चीजों में टैग किया जाता है। यह पोस्ट भी किसी भी दूसरे टैग की तरह एक अवॉर्ड फंक्शन की थी। यह सच नहीं है और उस पोस्ट को जानबूझकर लाइक किया गया। यह गलती से क्लिक हो सकता है।'

सिर्फ काम पर फोकस करती हैं यामी

वह आगे अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखती हैं, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी सस्ती पीआर टैक्टिक्स का सहारा नहीं लिया। मैंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया है और आगे बढ़ी हूं। क्लिकबेट की दुनिया में बड़े सोशल मीडिया पोर्टल्स द्वारा इस बात को गॉसिप में बदलना हैरान करता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि वो लोग इस बात पर विचार करेंगे कि मैंने इससे बेहतर इज्जत कमाई है।' यामी ने यह भी बताया कि उनकी कोई पीआर टीम नहीं है। वह कहती हैं, 'मेरी कोई पीआर टीम नहीं है। मैंने अवॉर्ड शो पर बहुत पहले ही अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है। मैं अपने काम पर फोकस करती हूं।'

'धुरंधर 2' का हिस्सा होंगी यामी गौतम

पिछले साल यामी गौतम फिल्म 'हक' में नजर आई थीं। यह फिल्म 1985 में मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम केस पर आधारित थी। फिल्म में महिलाओं के हक की बात की गई है। फिल्म 'धुरंधर 2' में भी यामी गौतम नजर आ सकती हैं। इस फिल्म को उनके पति और डायरेक्टर आदित्य धर ने बनाया है।

क्या डेट कर रहे हैं तृषा और विजय

तमिलनाडु से एक बड़ी खबर सामने आई। एक्टर विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। तलाक याचिका के मुताबिक, संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ 'अवैध संबंध' था। इस मामले के बाद सोशल मीडिया पर लोग एक एक्ट्रेस से विजय का नाम जोड़ रहे हैं।

संगीता की तलाक की अर्जी में किसी एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि कहीं वह इशारा विजय और तृषा कृष्णन की ओर तो नहीं था। अब सोशल मीडिया पर इसी बात की चर्चा हो रही है कि क्या विजय और तृषा की कथित नजदीकियां ही उनके तलाक की वजह बनीं? कुछ लोग विजय को उनकी शादी में बेवफाई का दोष दे रहे हैं, तो कुछ सीधे तौर पर तृषा को इस अलगाव के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। एक्स पर इस मामले को लेकर कई तरह के पोस्ट वायरल हो रहे हैं।

साथ में कई फिल्में कर चुके हैं विजय और तृषा

विजय और तृषा की जोड़ी लंबे समय से तमिल सिनेमा की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक रही है। 'घिल्ली'), 'थिरुपाची', 'आथि' और 'कुरुवी' जैसी फिल्मों में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। हालांकि 'कुरुवी' के बाद दोनों ने अचानक साथ काम करना बंद कर दिया, जिसके बाद अफवाहों का दौर शुरू हो गया। कहा गया कि 'घिल्ली' के दौरान उनकी दोस्ती कुछ ज्यादा गहरी हो गई थी। यहां तक कि यह भी चर्चा रही कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा से दूरी बनाने की सलाह दी थी। हालांकि विजय और तृषा दोनों ने हमेशा इन अफवाहों को खारिज किया और कहा कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

शाहरुख का स्टारडम सबसे अलग है?

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार भी माना जाता है। शाहरुख की लोकप्रियता आज भी उतनी ही है। आज भी उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्या है कि कोई और इंडियन स्टार शाहरुख जैसी लोकप्रियता और फैन फॉलोइंग हासिल नहीं कर पाया? इसको लेकर सुनील शेट्टी ने अपनी राय दी और बताया कि आखिर क्या है जो शाहरुख को बाकी कलाकारों से अलग बनाता है? एक पॉडकास्ट में बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी से पूछा गया कि शाहरुख खान जैसी स्टारडम कोई और अभिनेता क्यों नहीं हासिल कर पाया? इस पर सुनील शेट्टी ने कहा कि क्योंकि उनके पास संगीत था। भारत में म्यूजिक का बहुत महत्व है। उनके साथ यश जी (यश चोपड़ा) थे और बेहतरीन गाने थे। अपने काम के प्रति उनकी लगन। लगातार खुद को नए रूप में ढालना, उनकी शालीनता। मानवीय दृष्टि से वे परिपूर्ण हैं। वो जो सम्मान देते हैं और जिसकी अपेक्षा करते हैं, जरूरत पड़ने पर वो हमेशा मौजूद रहते हैं। वो सोशल मीडिया के चक्कर में नहीं पड़ते। वो पोस्ट करने में विश्वास नहीं रखते। उनमें पुराने जमाने का वो आकर्षण है, जो पहले के कई सितारों में हुआ करता था।

सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते शाहरुख

सुनील शेट्टी ने आगे सोशल मीडिया पर बढ़ती निर्भरता पर कहा कि इस पीढ़ी के बच्चे मानते हैं कि सोशल मीडिया ही आगे बढ़ने का रास्ता है। खबरें फैलानी जरूरी हैं। लेकिन ये लोग ऐसे नहीं हैं। रणबीर की तरह, शाहरुख का आकर्षण यही है कि वो सोशल मीडिया पर नजर नहीं आते। वो वहीं होते हैं जहां उनका काम होता है। उनका काम बोलता है, बाकी आप कल्पना कर सकते हैं।

शाहरुख की 'किंग' का फैंस को है इंतजार

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, जयदीप अहलावत और अभिषेक बच्चन सरीखे कई अन्य स्टार्स भी दिखाई देंगे। यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी।

राज शांडिल्य ने एकता कपूर के लीगल नोटिस को बताया बेबुनियाद

'भागम भाग 2' को लेकर निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच कानूनी विवाद पैदा हो गया है। इसके चलते फिल्म की शूटिंग टलने की खबरें हैं। अब निर्देशक ने फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट साझा की है। साथ ही लीगल नोटिस पर भी प्रतिक्रिया दी है।

अक्षय कुमार और परेश रावल स्टारर 'भागम भाग 2' को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। फिल्म की शूटिंग भी मार्च के महीने में ही शुरू होने वाली थी। लेकिन अचानक फिल्म के निर्देशक राज शांडिल्य और प्रोड्यूसर एकता कपूर के बीच लीगल टसल शुरू हो गई। जिसके चलते अब शूटिंग फिलहाल टल गई है। एकता कपूर से लीगल नोटिस मिलने के बाद अब निर्देशक राज शांडिल्य ने एक बयान जारी कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश की गई और उन्हें अविश्वास का सामना करना पड़ा।

सिर्फ डराने धमकाने का प्रयास

राज शांडिल्य ने 2019 में एकता कपूर के साथ तीन फिल्मों का कॉन्ट्रैक्ट किया था। लेकिन बाद में निर्देशक ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद एकता कपूर ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा। अब राज ने वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में अपना बयान साझा किया है। रिपोर्ट में इस मामले पर राज के बयान में कहा गया, 'मैंने अपने संविदात्मक अधिकारों (कॉन्ट्रैक्चुअल राइट्स) के अनुसार, बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का नोटिस जारी किया था। इस नोटिस को जारी किए हुए अब दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है। अगर बालाजी टेलीफिल्म्स को लगता कि उनके पास कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस कानूनी आधार है, तो वो कोर्ट में जा सकते हैं। ऐसी कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है। इसके बजाय, अब जो सामने आया है वह मामले को तूल देने और गलत क्रिमिनल आरोप लगाने का प्रयास है। ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने को चुनौती देने का कोई ठोस मामला न होने का एहसास होने के बाद डराने-धमकाने का एक प्रयास मात्र प्रतीत होते हैं।'

फिल्म तय समय पर आगे बढ़ रही है

निर्देशक के बयान में आगे कहा गया, 'मुझे अपनी कानूनी स्थिति पर पूरा भरोसा है और मैं ऐसे किसी भी आरोप का उचित कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से जवाब दूंगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि फिल्म 'भागम भाग 2' अपने तय समय पर चल रही है और प्रोजेक्ट निर्धारित समय पर आगे बढ़ेगा। फिल्म और क्रिएटिव इंडस्ट्री के मेंबर इस तरह के दबाव बनाने के तरीकों पर ध्यान दें। भविष्य में पेशेवर संबंधों का निर्णय लेते समय अपने निष्कर्ष निकालें।' इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि राज को प्रोडक्शन हाउस के साथ कम्युनिकेशन के तरीके से असहजता महसूस हुई। निर्देशक ने अपनी तीसरी फिल्म 'सोनम बेवफा है' की स्क्रिप्ट पहले ही पूरी कर ली थी, लेकिन प्रोडक्शन हाउस से हाल ही में मिले संचार से उन्हें लगा कि पूछताछ दखलंदाजी भरी और अविश्वासपूर्ण थी।

'भागम भाग 2' से गोविंदा की हुई छुट्टी

अक्षय कुमार और परेश रावल की प्रमुख भूमिकाओं वाली 'भागम भाग 2' 2006 में रिलीज हुई 'भागम भाग' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार गोविंदा की फिल्म से छुट्टी हो गई है। उनकी जगह मनोज बाजपेयी फिल्म का हिस्सा बने हैं। 'भागम भाग' का निर्देशन जहां प्रियदर्शन ने किया था, वहीं 'भागम भाग 2' को राज शांडिल्य निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म के इसी साल के अंत तक रिलीज होने की संभावनाएं थीं।

फ्लाइट में युवक ने सुलगा ली बीड़ी, यात्रियों में फैली दहशत, गोवा में केस दर्ज

गोवा (एजेंसी)। अकासा एयर की दिल्ली से गोवा जा रही एक फ्लाइट के टॉयलेट के अंदर बीड़ी पीने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी यात्री की इस हरकत से विमान में सवार अन्य यात्रियों और क्रू मेंबर की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था, काफी देर तक यात्रियों में दहशत रही। जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई, जब दिल्ली निवासी आशीष दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट संख्या क्यूपी 1625 में यात्रा कर रहा था। उड़ान के दौरान आरोपी विमान के टॉयलेट में गया और वहां बीड़ी पीने लगा। कुछ देर बाद क्रू मेंबर को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद जांच करने पर यात्री के पास एक लाइटर भी बरामद हुआ। एयरलाइन की शिकायत के अनुसार विमान के भीतर धूम्रपान करना सख्त रूप से प्रतिबंधित है। टॉयलेट में बीड़ी पीने और लाइटर रखने से विमान और उसमें मौजूद यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। क्रू मेंबर ने तुरंत तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। विमान के मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद गोवा पुलिस ने भारतीय न्याय सहिंता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि विमान के भीतर इस तरह की गतिविधियां बेहद गंभीर मानी जाती हैं, क्योंकि इससे यात्रियों और विमान की सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एयरलाइन ने भी कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के दो आरोपी पश्चिम बंगाल से पकड़ाए

-मेघालय सीमा से भारत में घुसे थे और बंगाल के बोंगांव में छिपे थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुसे थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें, लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी। बता दें उस्मान हादी को ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह रिक्शे पर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर ने उन्हें गोली मारी थी। बाद में इलाज के दौरान सिंगापुर में 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके शामिल थे।

ज्वाला ने दिया 5 शावकों को जन्म

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से खुशखबरी आई है। नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने 9 मार्च को 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को साझा करते हुए इसे प्रोजेक्ट चीता और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा- कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीताओं में शुमार हो गई है। ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) उन आठ चीतों में शामिल थी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में कूनो में छोड़ा था। यह ज्वाला का तीसरा प्रसव है। इससे पहले उसने मार्च 2023 में पहली बार 4 शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से केवल एक- मुखी ही जीवित बचा था। जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म देने के बाद अब 9 मार्च 2026 को तीसरी बार 5 शावकों को जन्म दिया है।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया; जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था। नॉर्मल हालात में फ्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनिफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आया। एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।

बिहार की सियासत: भाजपा तलाश रही नया सीएम, नीतीश से नहीं छोड़ा जा रहा पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की डगर पर चल पड़े हैं, पर उन्हे बिहार बहुत प्रिय है। शायद यही वजह है कि उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे भले ही दिल्ली जा रहे है लेकिन पैनी नजर बिहार पर रखेंगे। सियासी पंडित इसके मायने निकाल रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश का बिहार में दखल रहेगा। आए दिन विवादों की झलक देखने को मिल सकती है। वहीं भाजपा ऐसे सीएम की तलाश में है जो बिहार को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले सके।

सबसे अहम सवाल बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभालेगा। जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता की भागीदारी का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है, जिसके तहत दोनों दलों को मंत्रिमंडल में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के थिंक टैंक में सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजीव चौरसिया और दिलीप जायसवाल जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन और सरकार चलाने के अनुभव के साथ-साथ बिहार के जटिल जातीय समीकरणों में भी पूरी तरह फिट बैठ सके। बीजेपी के लिए यह फैसला

चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उसे नीतीश कुमार जैसे कद्दावर व्यक्तित्व का विकल्प पेश करना है। पार्टी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हिंदुत्व के एजेंडे और गठबंधन की राजनीति के बीच संतुलन बना सके। सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद राज्य में एक बड़े सर्वमान्य चेहरे की कमी खली है, जिसे भरने के लिए बीजेपी अब किसी लंबी रेस के घोड़े पर दांव लगाना चाहती है। सम्राट चौधरी, जो ओबीसी समाज से आते हैं, वर्तमान में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बिहार की राजनीति एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिख दी है। नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में आधिकारिक तौर पर एंट्री हो गई है। रविवार को जेडीयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने निशांत को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है और उन्हें भविष्य की सरकार में उपमुख्यमंत्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नीतीश कुमार के इस फैसले का जेडीयू के भीतर काफी विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने भावुक होकर पार्टी विधायकों को समझाया कि वे भले ही दिल्ली जा रहे हैं, परंतु बिहार की हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर बनी रहेगी। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। अब सबकी निगाहें दिल्ली और पटना के बीच होने वाली अंतिम दौर की बैठकों पर टिकी हैं कि आखिर वह कौन सा चेहरा होगा जो बिहार की सत्ता की कमान संभालेगा। बीजेपी के लिए यह न केवल सरकार बनाने का अवसर है, बल्कि 2030 तक अपनी राजनीतिक जमीन को अटूट बनाने की एक बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

देश में 33,577 बच्चे हुए लापता, पश्चिम बंगाल सबसे ऊपर तो मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर, कुछ राज्यों में एक मामला भी दर्ज नहीं

-महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों ने देश में बच्चों के लापता होने की गंभीर समस्या को उजागर किया है। मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच पूरे देश में 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को ढूंढ लिया गया है, जबकि 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मामले पश्चिम बंगाल से सामने आए हैं। यहां कुल 19,145 बच्चों के गुम होने की शिकायत दर्ज हुई। इनमें से 15,465 बच्चों को बरामद कर लिया गया, जबकि 3,680 बच्चे अभी भी लापता हैं।

इस मामले में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए। इनमें से 3,197 बच्चों को ढूंढ लिया गया, जबकि 1,059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। हरियाणा में 2,209 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 353 अभी भी नहीं मिले हैं। केरल में 1,696 बच्चों के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से 778 अब तक लापता हैं। वहीं ओडिशा में 1,624 बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए, जिनमें से 1,088 बच्चों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इन राज्यों में कोई मामला नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बच्चों के गुम होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। इनमें नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली शामिल हैं।

लापता से ज्यादा बरामद हुए बच्चे

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या लापता बच्चों से अधिक है। इसका कारण यह है कि कई बार एक राज्य से लापता हुए बच्चे दूसरे राज्यों में बरामद होते हैं। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र, लद्दाख और तमिलनाडु में बरामद बच्चों की संख्या दर्ज मामलों से अधिक है।

विदेश मंत्री के बयान को विपक्ष ने बताया अपर्याप्त, मांग ठुकराए जाने पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर सोमवार को संसद के उच्च सदन में जोरदार हंगामें की स्थिति बन गई। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की, लेकिन राज्यसभा में चर्चा की अनुमति न मिलने के बाद विपक्ष ने विरोध जताते हुए वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस ने विदेश मंत्री के बयान को अपर्याप्त बताते हुए सरकार से तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विदेश मंत्री ने राज्यसभा में स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया, लेकिन उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर तत्काल चर्चा चाहता था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसी के विरोध में विपक्षी सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके प्रभावों को लेकर सदन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि क्षेत्र में शांति, संवाद और कूटनीति की प्रक्रिया फिर से शुरू होनी चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। विपक्ष विदेश मंत्री के बयान से असंतुष्ट नजर आया और उच्च सदन से वाकआउट कर गया।

बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत, विदेश मंत्री जयशंकर पर नाराज थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मिडिल ईस्ट के हालात पर संसद में बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं। ताजा हालात को देखकर उन्हें सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं है। पार्टी ने दो टूक कहा कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर वे चर्चा चाहते हैं। वहीं इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है।

थरूर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनका बयान सुना है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश इससे बुरी तरह प्रभावित है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है।

थरूर ने कहा कि सोमवार सुबह तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। कतर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल कतर से हमारे कारखानों को भारत में गैस नहीं मिल रही है। हम पूर्वी देशों से गैस प्राप्त कर सकते हैं।

थरूर ने कहा कि परसों ही एलपीजी की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई, और निश्चित रूप से, पेट्रोल भी महंगा होगा। इसलिए यह सब हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या बनने वाला है। इसके बाद हमें सरकार से एक बहुत ही जिम्मेदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की उम्मीद है।

थरूर ने कहा कि सदन में बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत है। यही वजह है कि जयशंकर के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को लेकर कई अहम सवाल हैं। संसद

ऐसी जगह है जहां इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। हम ये नहीं कह रहे कि हम सरकार हैं।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को फिर किया तलब

पहले भी दो बार हो चुकी है पूछताछ, घटना में 41 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने उन्हें नया नोटिस जारी कर 10 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक यह पूछताछ करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई भगदड़ की घटना से जुड़ी है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी इससे पहले भी फिल्म अभिनेता विजय से दो बार पूछताछ कर चुकी है। पहली बार उनसे 12 जनवरी को और दूसरी बार 19 जनवरी को इस मामले में पूछताछ की थी। अब मामले से जुड़े कुछ अतिरिक्त तथ्यों और सबूतों को लेकर एजेंसी उनसे फिर पूछताछ करना चाहती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक करूर में आयोजित एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में अचानक भारी

भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई थी। मौके पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग दब गए, जिससे कई लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी और कहीं लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण यह हादसा तो नहीं हुआ। कार्यक्रम से जुड़े कई व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े दस्तावेज, अनुमति प्रक्रिया और सुरक्षा इंतजामों की भी बारीकी से जांच कर रही है। करूर भगदड़ मामले ने पूरे राज्य में गहरा असर डाला था और घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

नीतीश कुमार का परिवारवाद पर यू-टर्न, बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री से उठे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में दशकों तक वंशवाद के प्रखर विरोधी रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने उनके राजनीतिक सिद्धांतों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अपने पूरे संसदीय जीवन में लालू यादव और कांग्रेस के परिवारवाद की आलोचना करने वाले नीतीश ने आखिरकार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति के मैदान में उतारने की अनुमति दे दी है। शनिवार को निशांत ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर ली, जिसके बाद बिहार के सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश भी अब उसी राह पर चल पड़े हैं, जिसका वे विरोध करते आए थे।

आज वही नीतीश कुमार अपने ही पुराने बयानों के घेरे में हैं। आलोचकों का कहना है कि बेटे के मोह में नीतीश ने अपने जीवन भर की राजनीतिक शुचिता और सिद्धांतों की कमाई को एक झटके में दांव पर लगा दिया है। अब उनके पास

राजद या कांग्रेस के परिवारवाद पर हमला करने का नैतिक आधार कम होता दिख रहा है। निशांत कुमार की जेडीयू में एंट्री केवल एक नए नेता का आगमन नहीं है, बल्कि बिहार की उस एंटी-फैमिली राजनीति के एक बड़े अध्याय का अंत भी माना जा रहा है, जिसकी कमान कभी नीतीश कुमार ने संभाली थी। नीतीश कुमार हमेशा से खुद को जननायक कर्पूरी ठाकुर का सच्चा अनुयायी बताते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर ने अपने जीवनकाल में परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में आने नहीं दिया था। नीतीश ने भी सालों तक इसी उसूल का पालन किया और अपने परिवार को सत्ता के गलियारों से दूर रखा। पिछले एक साल से निशांत को राजनीति में लाने की मांग उठ रही थी, लेकिन नीतीश की चुप्पी को उनकी ना माना जा रहा था। मगर अचानक खुद राज्यसभा जाने की चर्चा और बेटे को बिहार की सियासत में सक्रिय करने के फैसले ने विरोधियों को आलोचना का बड़ा अवसर दे दिया है।

समाजवादी विचारधारा के ध्वजवाहक माने जाने वाले नीतीश कुमार अक्सर यह कहते रहे हैं कि परिवारवाद लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से कई बार कांग्रेस और राजद पर तीखे प्रहार किए। साल 2017 में जब राहुल गांधी ने अमेरिका में वंशवाद को भारतीय राजनीति की वास्तविकता बताया था, तब नीतीश ने इसका पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक परिवार में जन्म लेने मात्र से कोई शासन के योग्य नहीं हो जाता और गैर-परिवारवादी नेता हमेशा बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

-आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने का दिया सुझाव

श्रीनगर (एजेंसी)। ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

एक अन्य अभिभावक ने बताया कि कई देशों ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है और भारत सरकार से भी इसी तरह की त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अजरबैजान जैसे देशों ने अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। भारत सरकार को भी तुरंत कदम उठाने चाहिए क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। ईरान के विभिन्न शहरों में पढ़ रहे छात्रों ने भी हालात को तनावपूर्ण और डरावना बताया है।

आल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि और जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली से मुलाकात कर ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने राजदूत से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी में सहयोग करने और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया। डॉ. मोमिन के मुताबिक भारतीय दूतावास ने छात्रों को पड़ोसी देश आर्मेनिया तक पहुंचने में लाजिस्टिक सहायता देने की पेशकश की है जिसे मौजूदा हालात में अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जा रहा है। हालांकि आर्मेनिया से भारत

तक की आगे की यात्रा का प्रबंध छात्रों को स्वयं करना होगा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)